mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-245 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
4 सितंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सचिन ने बढ़ाया पैरा...
@ पेज 7

गुजरात में कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर समुद्र में गिरा

तीन क्रू मेंबर्स लापता, एक को बचाया गया; कार्गो शिप पर रेस्क्यू के लिए गया था

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर तट के पास इंडियन कोस्ट गार्ड का एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ध्रुव) अरब सागर में गिर गया। हेलिकॉप्टर पर सवार 4 में से 3 क्रू मेंबर्स लापता हैं। एक को बचाया गया है। हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया है। घटना सोमवार की है। आईएमडी ने मंगलवार को सुबह 10-12 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर पोरबंदर तट से 45 किलोमीटर दूर कार्गो शिप पर रेस्क्यू मिशन के लिए गया था। हेलीकॉप्टर पर 2 पायलट और 2 गोताखोर सवार थे। इनमें 1 गोताखोर को बचाया गया है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि दोनों पायलट और एक गोताखोर की तलाश के लिए 4 जहाज और 2 विमान भेजे हैं। कोस्टगार्ड ने हाल ही में गुजरात में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 67 लोगों का रेस्क्यू किया था।

आसमान में सितारों की परेड, दिख रहा अद्भुत नजारा

एक लाइन में आए छह ग्रह,हो रही रोमांचक खगोलीय घटना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रात इस समय आसमान में एक बेहद रोमांचक खगोलीय घटना के लिए तैयार है। आसमान में ग्रहों की एक परेड दिखाई दे रही है। सितंबर में छह ग्रह एक लाइन में हमें दिखाई देंगे। बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून-आकाश में एक सीध में आ जाएंगे। हालांकि इन्हें देखने के लिए आपको सुबह जल्दी उठना होगा। वैज्ञानिकों के लिहाज से यह बेहद दिलचस्प और दुर्लभ घटना है। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। सितंबर के शुरुआती दो सप्ताह के दौरान हमें यह दिखाई देंगे। इस दौरान अगर आपके पास दूरबीन हो तो और भी अच्छा रहेगा। स्थानीय समय के मुताबिक सूर्योदय से लगभग 30 मिनट पहले आकाश में पूर्व से पश्चिम तक ये फैले हुए दिखाई देंगे। यूरेनस और नेपच्यून नग्न आंखों से देखने के लिहाज से बहुत धुंधले हैं। ऐसे में टेलीस्कोप की जरूरत होगी। दोनों चमकीले ग्रहों के करीब होंगे, जिससे उन्हें खोजना आसान हो जाएगा। बृहस्पति यूरेनस को खोजने में महत्वूर्ण होगा, क्योंकि दोनों दक्षिणी आकाश के अगल-बगल होंगे।

इस बीच नेपच्यून शनि के ऊपर और बाई ओर दिखाई देगा। सफेद सितारों के बीच वह नीला दिखाई देगा। हालांकि बुध ग्रह इतना चमकीला है कि उसे दूरबीन के बिना भी देखा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में राहुल और खड़गे से मिले सीएम हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई है। विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल

गांधी से मुलाकात की। हेमंत सोरेन ने कहा कि शिष्टाचार मुलाकात हुई। अब हम झारखंड विधानसभा चुनाव के बारे में चर्चा करेंगे। हम पूरी ताकत से सरकार चलाएंगे और भविष्य में चुनाव भी जीतेंगे। झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और राहुल गांधी की मुलाकात मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली स्थित आवास पर हुई। इस दौरान तीनों के बीच लंबी चर्चा हुई है।

आप-कांग्रेस हरियाणा में भी साथ लड़ेंगे चुनाव!

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के मूड में है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन खबरें हैं कि सांसद राहुल गांधी आप के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि इस संबंध में उन्होंने हरियाणा के कांग्रेस नेताओं से बात भी की है।

इससे पहले आप और कांग्रेस दिल्ली, चंडीगढ़ समेत कई क्षेत्रों में साथ मिलकर मैदान में उतर चुकी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से गठबंधन करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान उन्होंने हरियाणा कांग्रेस के नेताओं से आप संग गठबंधन की संभावनाओं पर राय भी पूछी थी।

नवाब सिंह के भाई नीलू यादव ने किया सरेंडर

कन्नौज (एजेंसी)। किशोरी से बलात्कार के मामले में आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव के भाई नीलू यादव ने मंगलवार की सुबह अदालत में सरेंडर कर दिया। सीओ सदर कमलेश कुमार ने बताया कि पुलिस दुष्कर्म के मामले में नीलू यादव की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही थी। नवाब सिंह यादव की पैरवी कर रहे अधिवक्ता

राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि नीलू यादव सुबह करीब साढ़े आठ बजे अदालत परिसर में पहुंचा। दुष्कर्म मामले में पुलिस नवाब सिंह यादव और पीड़िता की बुआ पूजा तोमर को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। नीलू यादव पर आरोप है कि नाबालिग के परिवार को मेडिकल जांच के लिए जाने से रोकने के लिए 4 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। नीलू यादव की गिरफ्तारी में सूचना देने पर पुलिस ने 25,000 रुपये का ईनाम रखा है।

डिफेंस पार्टनरशिप से लेकर समुद्री सुरक्षा तक, सब पर होगी चर्चा

● ब्रूनेई पहुंचे पीएम मोदी,सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया से की मुलाकात ● सिंगापुर के साथ समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर रहेगा भारत का जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रूनेई दारुस्सलाम और सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर दोपहर 3 बजे ब्रूनेई पहुंचे। भारत-ब्रूनेई दारुस्सलाम के राजनयिक संबंधों ने 40 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ब्रूनेई दारुस्सलाम के सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया से मिलने पहुंचे हैं। पीएम मोदी 4 सितंबर को ब्रूनेई से सिंगापुर के लिए रवाना होंगे। वहां पहुंचकर वे सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी के सिंगापुर दौरे पर समुद्री सुरक्षा को लेकर बातचीत से चीन की टेंशन बढ़ना तय है। भारत और ब्रूनेई दारुस्सलाम के बीच राजनयिक संबंध 1984 में स्थापित हुए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तेल से संपन्न देश ब्रूनेई की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। पीएम की इस यात्रा के दौरान रक्षा साझेदारी पर विशेष जोर रहा। इसकी वजह है कि दोनों पक्ष रक्षा क्षेत्र में एक संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने के इच्छुक हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारत और ब्रूनेई रक्षा, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, स्पेस टेक्नोलॉजी सहयोग में एक दूसरे से जुड़े हैं।

दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों की नक्सलियों पर बड़ी स्ट्राइक

● अब तक 9 नक्सली ढेर,मुठभेड़ जारी,हथियार भी बरामद

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने अब तक 9 नक्सलियों को मार गिराया है। घटनास्थल से नक्सलियों के शवों के साथ एसएलआर, 303 और 12 बोर के हथियार भी बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बस्तर डिवीजन में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। मंगलवार सुबह 10.30 बजे सर्चिंग के दौरान पुलिस पार्टी का सामना पीएलजीए की कंपनी नंबर 02 के नक्सलियों से हुआ, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को कड़ा जवाब दिया और 9 नक्सलियों को मार गिराया। घटनास्थल से नक्सलियों के शवों के साथ हथियार भी बरामद हुए हैं।

पीड़ित कोमा में गई या मौत हुई तो 10 दिन में फांसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल 'अपराजिता' हुआ पास

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से राएंटी रेप बिल 'अपराजिता' पास कर दिया है। विपक्ष ने भी इस विधेयक का पूरा समर्थन किया है। यह विशेष सत्र पिछले महीने राज्य द्वारा संचालित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले के बाद बुलाया गया था। राज्य के कानून मंत्री मलय घटक ने विधेयक पेश किया। यह विधेयक बलात्कार के दोषियों को मौत की सजा देने का प्रावधान करता है, अगर उनके कृत्यों से पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वह कोमा में चली जाती है। इस बिल के अनुरसार, रेप और हत्या करने वाले आपराधी के लिए फांसी की सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में पुलिस को 21 दिनों जांच पूरी करनी होगी। इस बिर में दरिंदगी करने वाले के खिलाफ चार्जशीट दायर करने के 36 दिनों के भीतर सजा-ए-मौत का प्रावधान है। इस बिल में अपराधी की मदद करने पर 5 साल की कैद की सजा का प्रावधान है। इस बिल में हर जिले के भीकर स्पेशल अपराजिता टास्क फोर्स बनाए जाने का प्रावधान है। रेप, एसिड, अटैक और छेड़छाड़ जैसे मामलों में ये टास्क फोर्स एक्शन लेगी। टास्क एक्शन फोर्स इस मामले में अपराधियों सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। ममता सरकार द्वारा पेश किए गए इस बिल में रेप के साथ ही एसिड अटैक भी उतना ही गंभीर माना गया है। महिलाओं पर एसिड अटैक करने वालों के खिलाफ ऐसी सजा का प्रावधान किया गया है कि वो ऐसे अपराध करने से पहले 10 बार सोचेंगे।

विधानसभा में बीजेपी ने मांगा ममता बनर्जी से इस्तीफा

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को एंटी रेप बिल अपराजिता महिला और बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन) विधेयक 2024 विधानसभा में पेश किया । अपराजिता बिल पेश करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। चर्चा के दौरान बीजेपी की नारेबाजी पर ममता भड़क गईं और यूपी समेत अन्य राज्यों में हुईं रेप की घटनाओं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी से इस्तीफा मांगने की सलाह दे डाली। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। अब केस सीबीआई के हाथ में है। अब हमें सीबीआई से इंसाफ चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस पर राजनीति कर रही है। सीएम ने दावा किया कि यह एक ऐतिहासिक बिल है और भारतीय न्याय संहिता से ज्यादा कठोर है। यह कानून लागू कराएंगी, जिसे इतिहास याद रखेगा। बिल पेश करने के दौरान बीजेपी के सदस्यों ने ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि पहले पीएम मोदी इस्तीफा मांगें। बिल पर चर्चा के दौरान ममता बनर्जी ने बीजेपी पर कई आरोप लगाए।

मणिपुर में फिर हमला

लगातार दूसरे दिन ड्रोन अटैक

कुकी उग्रवादियों ने मैतेई इलाके में घरों पर गिराए बम

2 लोग घायल,म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट की आशंका

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में सोमवार की शाम उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किए। जिसमें में एक महिला समेत 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह 2 दिन में दूसरा ड्रोन अटैक है। सोमवार शाम करीब 6.20 बजे सेजम चिरांग के रिहायशी इलाके में ड्रोन से 3 विस्फोटक गिराए। जो छत को तोड़ते हुए घरों के अंदर फटे। उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी भी की। जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी फायरिंग की। सेजम चिरांग गांव, कोत्रुक से करीब 3 किमी दूर है, जहां रविवार 1 सितंबर को ड्रोन हमले और गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी और 9 लोग घायल भी हुए थे। ये आशंका जताई जा रही है कि कुकी उग्रवादियों को ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है, या वे सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं। ड्रोन से पहला बम सेजम चिरांग गांव के मानिंग लीकाई में 65 साल के वाथम गंभीर के घर की छत पर बम गिरा, दूसरा बम उसके घर के बगल वाली गली में गिरा, जबकि तीसरा बम नदी के किनारे फटा। वाथम गंभीर की बेटी सनातोम्बी (23) के पेट में छर्रे लगे। उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

सीबीआई केस में केजरीवाल की हिरासत 11 तक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी संज्ञान लिया और केजरीवाल को समन जारी किया। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। कोर्ट ने आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 11 सितंबर तक का समय दिया है। 27 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। तब केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते, यानी 3 सितंबर तक ही हिरासत बढ़ाई थी। एजेंसी ने 30 जुलाई को चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल को आरोपी बनाया गया था।

बच्चों के साड़ी के पल्लू से बांधे पैर, ड्रोन से निगरानी

35 गांव में दहशत,बहराइच में भेड़ियों से बचने के हर इंतजाम हो रहे फेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के 35 गांवों के लोग भेड़ियों के खौफ में जिंदगी गुजार रहे हैं। इन गांवों में लोग रात-रात भर जागकर घरों की रखवाली कर रहे हैं। इसको लेकर इन गांवों के लोगों ने कुछ इस तरह अपनी आपबीती सुनाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सबकुछ कुछ ही सेकंड में हो गया। सोमवार को सुबह 3 बजे मीरा देवी की नींद अचानक टूटी। अभी भी आधी नींद में ही उन्हें अचानक एहसास हुआ कि उनकी दो साल की बेटी अंजलि, जो पिछली रात उनके बगल में सोई थी, गायब है। इससे पहले कि मीरा शोर मचा पाती या अपने सोते हुए पति को जगा पाती, भेड़िये अंजलि को लेकर दंपत्ति के बिना दरवाजे वाले ईंट के घर से बाहर निकल चुके थे। दो घंटे बाद, अंजलि का क्षत-विक्षत शव बहराइच जिले के गुरुदत्त सिंह पुरवा गांव के पास के गन्ने के खेत में मिला। पिछले दो महीनों में, छह भेड़ियों का एक झुंड सूर्यास्त के बाद उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के महासी तहसील के 35 गांवों में लोगों, खासकर बच्चों को अपना निशाना बना रहा है।

● भेड़ियों को पकड़ने के लिए 25 टीमें तैनात

पिछले कुछ दिनों में वन अधिकारियों ने 5 किलोमीटर के दायरे में दो भेड़ियों के देखे जाने की सूचना दी है। प्रभावित गांवों में रेंजर, फॉरेस्टर, गार्ड और वॉचर वाली 25 वन टीमें तैनात की गई हैं।

इसके अलावा, पड़ोसी जिलों के तीन प्रभागीय वन अधिकारी, रेंज और उप-विभागीय वन अधिकारियों के साथ मिलकर जानवरों की गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं। जाल और पिंजरे जो बैठे या सोते हुए बच्चे की तरह दिखते हैं उनको रणनीतिक रूप से रखा गया है, थर्मल कैमरों से लैस चार ड्रोन से प्राप्त जानकारी के आधार पर जो वर्तमान में भेड़ियों पर नज़र रख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टेट सिविल सप्लाइज कार्पोरेशन रीवा के कनिष्ठ सहायक अहिरवार निलंबित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन के श्री प्रताप नारायण यादव ने श्री लक्ष्मण अहिरवार, कनिष्ठ सहायक जिला कार्यालय रीवा को कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं अनियमितता के कारण निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में श्री अहिरवार का मुख्यालय क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार इन्हें निर्वाह भत्ता देय होगा। उल्लेखनीय है कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देशानुसार कार्पोरेशन के कतिपय जिलों में चावल के भौतिक सत्यापन किये जाने के लिये जांच दल का गठन किया गया था। रीवा जिले के लिये गठित जांच दल द्वारा राइस मिलों का भौतिक सत्यापन करने पर यह तथ्य संज्ञान में आया कि श्री लक्ष्मण अहिरवार कनिष्ठ. सहायक जिला कार्यालय रीवा ने बिना जिला प्रबंधक की पूर्वानुमति के स्वंय के हस्ताक्षर से चिन्हित मिलर्स को सीएमआर चावल कार्पोरेशन में जमा कराने के लिये पत्र जारी किया गया है। उनका यह कृत्य स्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है तथा कदाचरण की श्रेणी में आता है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दूसरी वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप-2024 का आयोजन हानॉवर जर्मनी में 29 अगस्त से 8 सितम्बर तक किया जा रहा है। खेल अकादमी के खिलाड़ी चेतन हेमंत सप्कल ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ईवेंट में रजत पदक अर्जित कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ी चेतन हेमंत सप्कल की सराहना करते हुए बधाई दी है। रजत पदक विजेता भारतीय टीम के खिलाड़ियों में चेतन हेमंत सप्कल, अभिनव देशवाल और शुभम वशिष्ठ हैं। प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक यूक्रेन की टीम और काँस्य पदक जर्मनी की टीम ने जीता। चेतन पहली बार मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप-2024 जर्मनी में कर रहे हैं। चेतन इसी वर्ष खेल अकादमी से जुड़े हैं। अकादमी में चेतन का चयन प्रतिभा चयन कार्यक्रम के माध्यम से हुआ था। मुख्य प्रशिक्षक श्री पी.एन. प्रकाश और सहायक प्रशिक्षक श्री जयवर्द्धन के मार्गदर्शन में चेतन राज्य खेल अकादमी में प्रशिक्षणरत हैं।

राज्य स्तरीय शिक्षक समारोह 5 सितम्बर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक शिक्षण संचालनालय का इस वर्ष का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती हॉल में आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तर के इस समारोह में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार में 14 शिक्षकों को और पिछले वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 के पुरस्कृत 2 शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। इन सभी शिक्षकों को समारोह में सम्मान राशि 25 हजार रूपये, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षक दिवस पर 5 सितम्बर को होने वाले समारोह में पिछले वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023 से सम्मानित चयनित शिक्षकों का भी सम्मान किया जायेगा। जिन शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा, उनमें श्रीमती सारिका घारू, माध्यमिक शिक्षक शासकीय हाई स्कूल, सांडिया, होशंगाबाद और रतलाम की श्रीमती सीमा अग्निहोत्री, शिक्षक सीएम राइज शासकीय विनोबा हायर सेकेण्डरी स्कूल शामिल हैं।

मिट्टी के गणेश निर्माण एवं विभागीय प्रतिकृतियों की प्रशिक्षण कार्यशाला 4 सितम्बर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा मिट्टी के गणेश निर्माण एवं विभागीय प्रतिकृतियों की प्रशिक्षण कार्यशाला 4 सितम्बर को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक होगी। मध्यप्रदेश की विपुल पुरासम्पदा की सुरक्षा, रख-रखाव एवं इसके प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से पुरातत्व संचालनालय द्वारा प्रदेश में बिखरी उत्कृष्ट एवं पुरातत्वीय दृष्टि से महत्वपूर्ण कलाकृतियों को संग्रहालयों में संरक्षित किया गया है। इन्हीं कलाकृतियों में से उत्कृष्ट श्रेणी की विलक्षण एवं अद्भुत प्राचीन प्रतिमाओं की प्रतिकृतियों का निर्माण कराया जाता है, जिन्हें लागत मूल्य पर प्रचार-प्रसार के लिये जन-सामान्य को विक्रय किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 4 सितम्बर को संचालनालय पुरातत्व, बाणगंगा मार्ग, भोपाल में जन-सामान्य के लिये मेरी माटी के गणेश'' शीर्षक से कार्यक्रम के अंतर्गत मिट्टी के गणेश निर्माण एवं विभागीय प्रतिकृतियों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रतिभागी निर्माण की गई एक गणेश प्रतिमा को अपने साथ भी ले जा सकेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यशाला निःशुल्क रहेगी। प्रतिभागियों को संचालनालय की तरफ से प्रमाण-पत्र भी दिये जायेंगे। प्रभारी अधिकारी मॉडलिंग पुरातत्व श्री आशुतोष उपरीत ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन प्रतिभागियों को विभागीय प्रतिकृति निर्माण से संबंधित जानकारी एवं पुरातत्वीय धरोहरों के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिये कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

सरोगसी के लिये आवश्यक इंश्योरेंस की न्यूनतम सीमा अब 10 लाख रूपये

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के अध्यक्षता में मंत्रालय में राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एवं सरोगसी बोर्ड की बैठक हुई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा की। राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टैक्नोलॉजी एवं सरोगसी बोर्ड ने राज्य स्तर पर आवेदित सरोगसी प्रकरणों पर समुचित विचार कर यथोचित निर्णय लिया गया। बोर्ड ने सरोगसी के लिये आवश्यक इंश्योरेंस की सीमा न्यूनतम 10 लाख रूपये नियत की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टैक्नोलॉजी एवं सरोगसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के अंतर्गत राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टैक्नोलॉजी एवं सरोगसी बोर्ड का गठन किया गया है। प्रदेश में उक्त अधिनियमों के अधीन वर्तमान स्थिति में 126 संस्थाओं ए.आर.टी. बैंक, ए.आर.टी. लेवल-1 क्लीनिक, ए.आर.टी. लेवल-2 क्लीनिक तथा सरोगसी क्लीनिक का पंजीयन किया गया है। बैठक में विधानसभा सदस्य श्रीमती रीति पाठक, श्रीमती प्रियंका मीणा, श्री विवेक सिंह, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, अतिरिक्त सचिव, विधि एवं विधायी कार्य विभाग श्री भरत कुमार व्यास सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ शामिल रहे।

जिले के विभिन्न कार्यों का हुआ भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जिले के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए स्वीकृत कार्यों का भूमिपूजन किया। पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि सरकार सभी वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए विविध योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने शासन की योजनाओं का उल्लेख करते हुए केन्द्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है।

शासन की प्रत्येक योजना में जनकल्याण की भावना निहित है। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं को पात्रतानुसार लाभ उठाने का आव्हान किया। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आमजन को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए विविध योजनाएं संचालित की जा रही हैं, आवश्यकता है इन योजनाओं को समझकर उनका लाभ उठाने की। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे योजनाओं को समझें और लाभ लें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने पदमी में ओपन जिम तथा देवदरा एवं सकवाह में हाईमास लाईट, वार्ड क्रं. 10 सतबहनी मंदिर के पास सामुदायिक भवन, ग्राम कटंगाटोला हिरदेनगर में मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत कौरगांव सेमरखापा में सांस्कृतिक मंच एवं ग्राम नेवरगांव पुरवा में चबूतरा निर्माण, देवदरा राजीव कालोनी में मंगलभवन कार्य का भूमिपूजन किया।

अनुसूचित जाति के पुराने छात्रावासों को डिस्मेंटल करके नये भवन बनाये जाने के प्रस्ताव तैयार करें -मंत्री श्री चौहान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने मंत्रालय में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति के पुराने छात्रावासों को डिस्मेंटल कर नये भवन बनाये जाने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये, जिससे कोई छात्रावास में घटना निर्मित न हो। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रावासों में सुविधाएं बढ़ाई जाएं, जिससे पालकों को अपने बच्चों को छात्रावासों में भेजने में विश्वास जागृत हो।

छात्रावास सुविधा सम्पन्न होंगे, उससे बच्चों को पढ़ाई में मन लगेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी संभागीय अधिकारी समय-समय पर छात्रावासों का निरीक्षण करें और उसके संबंध में मुझे जानकारी दें। अनुसूचित जाति मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी छात्रावासों में नवाचार के रूप में टेलीफोन लगाये जायें, जिससे छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी अपने पालकों से समय-समय पर बातचीत कर सकें। मंत्री श्री चौहान ने अनुसूचित जाति विभाग के विकास संबंधी योजनाएं जैसे छात्रावास संचालन, छात्रवृत्ति प्रदाय, शिक्षा के लिये प्रोत्साहन, अनुदान योजनाएं, प्रशिक्षण एवं स्व-रोजगार, अधोसंरचना विकास और अस्पृश्यता निवारण और अनुसूचित जाति व जनजाति के अधिकारों का संरक्षण की समीक्षा की। मंत्री श्री नागर ने पोस्ट मेट्रिक महाविद्यालयीन छात्रवृत्ति, पोस्ट मेट्रिक कक्षा 11वीं व 12वीं छात्रवृत्ति की स्थिति की संभागवार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति के संबंध में बजट प्रावधान बढ़ाया जाये। मंत्री श्री नागर ने आवास सहायता योजना में छात्रों को गृह निवास से बाहर महाविद्यालयीन स्तर पर नियमित विद्यार्थियों को आवास सहायता राशि नियमानुसार समय-सीमा में उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में परीक्षा परिणाम प्रतिशत कम पाये जाने पर असंतोष व्यक्त किया।

हमारे तो हृदय में ही पूरा बुंदेलखण्ड बसता है-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि हमारे तो हृदय में ही पूरा बुंदेलखण्ड बसता है। हमें अपनी बुंदेलखंडी भाषा बोलने में गर्व महसूस होता है। श्री राजपूत राजधानी भोपाल के जनजातीय संग्रहालय सभागार में बुंदेली समागम के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश ही नही अब तो देश विदेश में भी बुंदेली भाषा बोली जाने लगी है। श्री राजपूत ने कहा कि बुंदेली संस्कृति में हमें एक नई अनुभूति होती है। एक वाकए का जिक्र करते हुए श्री राजपूत ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के दिनों में बुंदेली भाषा बोलने पर सहपाठी छात्र - छात्राएं मजाक उड़ाया करते थे लेकिन अब बोलने पर गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहावत कहते हुए कहा कि एक बुंदेलखंडी 100 दंडी के बराबर होता है। बुंदेली समागम के आयोजक पत्रकार सचिन चौधरी के प्रयासों की सराहना करते हुए मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुंदेली संस्कृति को जानने और समझने का नई पीढ़ी को पर्याप्त अवसर मिल रहा है।

हमारी बुंदेलखंड की विलुप्त हो रही परंपराओं को बचाने और पुर्नजीवित करने के लिये ऐसे आयोजनों की महती आवश्यकता है। सचिन का यह प्रयास बुंदेली संस्कृति को आगे बढ़ाने और जीवंत करने की बड़ी कोशिश है।

अपात्र उपभोक्ताओं द्वारा सब्सिडी लेने पर की जाएगी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा राज्य शासन के परिपत्र और मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता की धारा 4.18 के प्रावधानों के विपरीत सब्सिडी ले रहे तथा एक ही परिसर में अनेक विद्यमान कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं पर कार्यवाही की मुहिम तेज कर दी गई है। कंपनी द्वारा अपनी बिलिंग प्रणाली का डाटा विश्लेषण कर पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में नगर निगम एवं नगर पालिका परिषद एवं रजिस्ट्रार पंजीयन एवं मुद्रांक के सहयोग से उपभोक्ता परिसरों के भूभाग के क्षेत्रफल एवं प्रॉपर्टी की गाइडलाइन क़ीमत के आधार पर आंकलन किया जा रहा है। संदिग्ध उपभोक्ता परिसरों की जांच की जा रही है। कंपनी द्वारा म.प्र शासन के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ समन्वय कर शासन के विभिन्न विभागों की भौगोलिक सूचना प्रणाली पर अपने उपभोक्ताओं की जानकारी साझा कर उसका आंकलन किया जा रहा है। सामान्यतः बड़े भूभाग क्षेत्रफल एवं अधिक क़ीमत की गाइडलाइन वाले उपभोक्ता द्वारा सब्सिडी लिया जाना व्यावहारिक नहीं होने के कारण कंपनी द्वारा ऐसे परिसरों को चिन्हित किया जाकर कार्यवाही की जा रही है।अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव द्वारा सोमवार को भोपाल शहर में अरेरा कॉलोनी के ई-1, ई-3 और ई-4 क्षेत्र में सब्सिडी का लाभ ले रहे घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के परिसरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राज्य शासन के परिपत्र और मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता के प्रावधानों के विपरीत बड़े आवासीय परिसरों में एक से अधिक कनेक्शन पाए जाने तथा सब्सिडी ले रहे कनेक्शनों पर उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित क्षेत्र के मीटर रीडरों द्वारा ऐसे कनेक्शनों को चिन्हित करने के निर्देश दिये।

म.प्र. में 30-40 फीसदी बढ़ेगी विदेशी पर्यटकों की संख्या

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से भोपाल में हुए आईएटीओ के 39वें वार्षिक अधिवेशन से प्रदेश में विदेशी व देशी पर्यटकों की संख्या निश्चित ही बढ़ेगी। आयोजन में रिकॉर्ड 1200 से ज्यादा सदस्य शामिल हुए, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से म.प्र. में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में योगदान देंगे।

आईएटीओ के उपाध्यक्ष श्री रवि गोसाईं ने बताया कि संभाजीनगर (औरंगाबाद) में साल 2023 में हुए अधिवेशन का सीधा फायदा महाराष्ट्र में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के रूप में दिखा है। यहां 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मध्यप्रदेश में हुए अधिवेशन में रिकॉर्ड भागीदारी ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि

प्रदेश में आने वाले समय में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 30-40 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। आईएटीओ के म.प्र. चैयरमेन श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में हिंदुस्तान के केंद्र में बसा है और साथ ही हवाई मार्ग, रेल मार्ग एवं सड़क मार्ग से अच्छे से जुड़ा हुआ है। म.प्र में इंदौर व भोपाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इसके अलावा ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो एयरपोर्ट भी देश के प्रमुख राज्यों से जुड़ा हुआ है। जल्द ही रीवा एवं दतिया एयरपोर्ट की शुरुआत होने जा रही है। पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के माध्यम से इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, सिंगरौली, खजुराहो, ग्वालियर शहर हवाई मार्ग से जुड़े हुए है। इससे पर्यटन के साथ ही वाणिज्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में प्रदेश की स्थिति मजबूत हुई है। पर्यटन स्थलों पर विकसित होती आधारभूत संरचनाएं, नए गंतव्यों पर लग्जरी टेंट सिटीज व नए होटल्स, लगातार बढ़ती पर्यटन सुविधाएं भी इनबाउंड टूरिज्म बढ़ाने में मदद करेगी। मध्यप्रदेश में हवाई संपर्क का विस्तार विकास के नए रास्ते खोल रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच आसान बना रहा है। आईएटीओ संस्था के 350 से ज्यादा सदस्य प्रदेश के विभिन्न गंतव्यों पर भ्रमण के लिये निकले। सोमवार को चंदेरी, उज्जैन, इंदौर, भीमबेटका, भोजपुर जैसे पर्यटन स्थलों पर भ्रमण किया। आईएटीओ के श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि फैम ट्रीम से निश्चित फायदा होगा। ट्रेवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स पर्यटन गतव्यों पर भ्रमण कर स्वयं अनुभव ले रहे हैं।

राज्य मंत्री गौर ने अयोध्या नगर क्षेत्र में 76 लाख से अधिक के कार्यों का किया भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्ध-घुमंतु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को अयोध्या नगर क्षेत्र में 76 लाख 2 हजार 334 रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कॉलोनियों में सड़क निर्माण करते समय ध्यान रखें कि जहाँ पर जल-भराव की स्थिति बनती है, वहाँ सीमेंट-कांक्रीट रोड बनायें। उन्होंने कहा कि जल-भराव की स्थिति वाले क्षेत्र में डामर की सड़क बनाने के कुछ समय बाद ही खराब हो

जाती है। उन्होंने पार्षद और स्थानीय नागरिकों से कहा कि उनकी कॉलोनी में बनने वाली सड़कों की वह स्वयं भी निगरानी करें और कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ हो, इस पर नजर रखें। निर्माण एजेंसी कार्य को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करे। राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने जिन कार्यों का भूमि-पूजन किया, उनमें अयोध्या नगर में वार्ड-68, एम सेक्टर में नर्सरी से अभिनव होम्स और वार्ड-68 के सुरभि परिसर में सीसी रोड निर्माण कार्य शामिल हैं। इन दोनों निर्माण कार्यों की लागत 42 लाख 8 हजार 627 रुपये है। वार्ड-68 में ही अयोध्या एक्सटेंशन, फेस-5, पार्ट-2 में सीसी रोड लागत 23 लाख 84 हजार 876 रुपये है। इसके अतिरिक्त वार्ड-68 के ईडब्ल्यूएस पार्क अयोध्या नगर फेस-5, पार्ट-1 में 10 लाख 8 हजार 831 रुपये लागत की बाउण्ड्री-वॉल और एमएस ग्रिल का निर्माण कार्य शामिल है।

236 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने दिलाई दशरथ और दानबहादुर को सहायक उपकरणों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेश शाही द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 236 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता सूचित करें।

जनसुनवाई में हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि योजनाओं के रि यान्वयन की प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। योजनाओं के रि यान्वयन में आ रही कठिनाइयों की पहचान करें तथा उनका समाधान करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसे पूरी गंभीरता से लें तथा प्राप्त समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें।

जनसुनवाई में ग्राम खिलखोरी से आए दिव्यांग दशरथ यादव ने कभी नहीं सोचा था कि उनकी समस्या का त्वरित निराकरण संभव हो सकेगा और उन्हें सहजता से इसका लाभ प्राप्त होगा। दशरथ ने बताया कि सड़क दुर्घटना में पैर से विकलांग होने के कारण वे चलने में असक्षम है। जिससे उन्हें कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। यदि हमें ट्राई सायकल और वैशाखी प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगी और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। ऐसे ही जनसुनवाई में जनपद पंचायत सीधी ग्राम माटा से आए दानबहादुर सिंह ने अपर कलेक्टर को बताया कि बीमारी के कारण पैर से विकलांग हो जाने के कारण वे चलने में असक्षम है। वे गरीब परिवार से हैं वैशाखी खरीदने सक्षम नही है घर में या कही भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। उन्होने कहा कि यदि हमें बैशाखी प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगें और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

उक्त दोनो आवेदकों की शारीरिक स्थिति को देखते हुए अपर कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दशरथ को ट्राई साईकिल एवं वैशाखी और दानबहादुर को वैशाखी प्रदान कराई। जनसुनवाई में समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से आवेदक बहुत खुश और संतुष्ट दिखे। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

लाडली बहना योजना की राशि से सुख-सुविधाओं का विस्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के सफल क्रि यान्वयन से घरेलू महिलाओं की जरूरतों के साथ उनके सपने भी पूरे हो रहे हैं। उनके और परिवार के जीवन स्तर में बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। नगर पालिका के वार्ड र मांक-24 में रहने वाली मुन्नी साकेत की कहानी भी कुछ इसी प्रकार है। लाडली बहना की राशि जोड़कर मुन्नी ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही घर की सुविधाओं में विस्तार कर लिया है।

मुन्नी साकेत बताती हैं कि पहले उन्हें अपनी तथा बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में परिवार वालों पर आश्रित रहना पड़ता था। मुन्नी ने बताया कि पति मजदूरी करते हैं। उनके पैसे के साथ अपने पैसे को मिलाकर घर के खर्चा के साथ कूलर और पंखा खरीद कर खुशी से जीवन यापन कर रही हूं। प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बना दिया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन, खाद्यान्न तथा आयुष्मान कार्ड का लाभ भी प्राप्त हुआ है। मुन्नी साकेत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हदय से धन्यवाद दिया है।

पशु संवर्धन समिति तथा आवारा पशु नियंत्रण समिति की हुई बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जानकारी देकर बताया है कि दिनांक 02.09.2024 को जिला पशु कल्याण समिति, गौपालन एवं पशु संवर्धन समिति एवं आवारा पशु नियंत्रण समिति की बैठक अपर कलेक्टर राजेश शाही की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होने बताया कि जिला पशु कल्याण समिति के एजेण्डा अनुसार प्रस्तावों का एवं आज दिनांक तक के आय-व्यय का अनुमोदन समिति द्वारा किया गया। गौपालन एवं पशु संवर्धन समिति के एजेण्डो का अनुमोदन समिति द्वारा किया गया तथा आवारा पशु नियंत्रण समिति में एजेंडों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

बदेला में खेत पाठशाला का किया गया आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सबमिशन ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा परियोजना अंतर्गत 31 अगस्त को सीधी जिले के सिहावल विकासखंड के ग्राम बदेला में खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। इस पाठशाला में स्थानीय कृषकों को खेती में आने वाली समस्याओं के बारे में सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक श्री महेंद्र सिंह बघेल द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। विकासखंड तकनीकी प्रबंधक सोनम सिंह द्वारा किसानों को विभागीय योजना का लाभ कैसे लें, के बारे में अवगत कराया गया। किसानों को अपनी खड़ी फसल में नैनो यूरीया के छिड़काव तथा इसके लाभ व ड्रोन तकनीकी के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

आत्मा परियोजना अंतर्गत जिला स्तरीय कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का किया गया आयोजन

कृषकों की समास्याओं का किया गया निदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आत्मा परियोजना अंतर्गत सीधी जिले में सोमवार को अनुविभागीय कृषि अधिकारी सीधी के कार्यालय में जिला स्तरीय कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें सीधी जिले के सभी विकासखंडों के कुल 50 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्र म के तहत कृषि वैज्ञानिक डॉ अलका सिंह, अमृता तिवारी, महेंद्र सिंह बघेल सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र सीधी तथा कृषकों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया गया। परिचर्चा में किसानों को उनके खेत में आने वाली समस्याओं की तकनीकी जानकारी से वैज्ञानिकों द्वारा निदान किया गया।

विभाग की योजनाओं के संबंध में उप संचालक कृषि सह परियोजना योजना संचालक आत्मा एस.के. श्रीवास्तव द्वारा विभाग में संचालित की जाने वाली योजनाओं तथा उसके लाभ के लिए एमपी किसान एप के पोर्टल में कैसे पंजीयन कराया जाए की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। किसानों को नैनो यूरिया के छिड़काव हेतु ड्रोन तकनीकी का उपयोग करने पर जोर दिया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी द्वारा इस महीने चलाए जा रहे पोषण अभियान के तहत किसानों को अपने स्वास्थ्य, अपने परिवार के स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए पोषण की भूमिका पर डॉ अलका सिंह कृषि विज्ञान केंद्र सीधी द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से जीवन स्तर में हो रहा सुधार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी निवासी दुर्गा द्विवेदी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ पाकर बेहद खुश है। दुर्गा का कहना है कि यह योजना महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है और हमारे जीवन निर्वाह में मददगार साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि योजना से मिलने वाले रूपयों का उपयोग वह बच्चों की पढ़ाई और उनके खर्चे को पूरा करने में कर रही हैं। साथ ही अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भी सहजता से कर पा रही हैं । अब उन्हें पैसे के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती। बच्चे जब भी किसी चीज के लिए बोलते है वह उन्हें आसानी से दिला पाते हैं। खुशी की बात तो यह है कि हर महीने के निर्धारित तारीख को यह पैसा खाते में आ रहा है। लाडली बहना योजना के कारण अब अपने खर्चे के लिए घर के सदस्यों से पैसे मांगने की जरूरत नहीं पड़ती है।

दुर्गा का कहना है कि मुख्यमंत्री जी ने हम बहनों के लिए इस योजना को लागू कर बहुत बड़ा सराहनीय काम किया है।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत को लेकर की बैठक

नेशनल लोक अदालत 14 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में वर्ष 2024 में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालतों के क्रम में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14 सितंबर 2024 को जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। 14 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु मंगलवार 03 सितंबर को प्रधान जिला न्यायाधीश पाण्डेय की अध्यक्षता में समस्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण तथा आवेदक अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त बैठक में विशेष न्यायाधीश रमा जयंत मित्तल, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेन्द्र जोशी, प्रथम जिला न्यायाधीश राजेश कुमार वास्तव, तृतीय जिला न्यायाधीश विकास चौहान, तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सु उर्मिला यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे, सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, शोभना मीणा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, रेनू वास्तव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सोनम शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अभिषेक साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनिरूद्ध कुमार उचाड़िया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार वास्तव, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल बाबूलाल सिंह, प्रखर अग्रवाल, अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, सूर्यकांत पाण्डेय, विनोद कुमार सिंह, जयसिंह बघेल, सुजाता मिश्रा, राजेन्द्र कुमार गुप्ता, परमसुख शुक्ला, रामभजन गुप्ता, ब्रमहर्षि पाण्डेय, उत्तम सिंह चौहान सहित जिला न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अल्ट्राटेक सीधी सीमेंट प्लांट प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अल्ट्राटेक सीधी सीमेंट प्लांट में कार्यरत श्रमिकों की समृद्धि विषयक ज्ञापन पत्र आज 3 सितम्बर को भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध अल्ट्राटेक सीमेंट कर्मचारी एवं खदान श्रमिक संघ मझिगवां ने मध्यप्रदेश ट्रेड यूनियन की प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा प्लांट प्रबंधन को दिया है।

यह भी कहा गया है कि यदि दो सप्ताह तक की समयावधि के अंतराल में श्रमिकों के हित मे प्रबंधन द्वारा सक्रियता पूर्वक सकारात्मक कार्यान्वयन तथा समुचित क्रियान्वयन न किए गए तो हम काम बंद हड़ताल करेंगे।

तीन मवेशियों की मौत के मामले में कार्रवाई सीएमओ ने तीन कर्मचारियों को सस्पेंड किया

गौ रक्षा दल ने नगर पालिका के बाहर प्रदर्शन किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आवारा मवेशियों को संरक्षित और सुरक्षित स्थान में करने के लिए नगर पालिका के अंतर्गत कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जहां उनका काम आवारा मवेशियों को नगर से और सड़कों से हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखकर उनकी देखभाल करना था। लेकिन नगर पालिका के कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से तीन मवेशियों ने भूख और प्यास की वजह से दम तोड़ दिया।

गौ रक्षा दल ने नगर पालिका के बाहर प्रदर्शन किया: इसके बाद आज मंगलवार के दिन गौ रक्षा दल को इस बात की जानकारी लगी। जानकारी लगते ही उन्होंने कोतवाली थाने में पहुंचकर आवेदन दिया और नगर पालिका के बाहर प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं नगर पालिका परिसर के बाहर नारेबाजी की गई और तत्काल कर्मचारियों को सस्पेंड करने की मांग की गई। इसके बाद सीएमओ मिनी अग्रवाल ने तत्काल कार्यवाही करते हुए तीनों कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है।

कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज : वहीं इस पूरे मामले को लेकर थाना प्रभारी कोतवाली अभिषेक उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया है कि गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने थाने में पहुंचकर आवेदन दिया था जहां जांच के उपरांत हमने तीन कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही विवेचना का कार्य भी पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया है। मंगलेश्वर सिंह, जेपी पटवा,अरुण सिंह तथा अन्य लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। कर्मचारी मंगलेश्वर सिंह,अरुण सिंह और जेपी पटवा को सस्पेंड किया गया

आशा कार्यकर्ताओं ने जिला पंचायत का किया घेराव

3 सालों से पूरा वेतन न मिलने से नाराज हैं; कहा कार्रवाई नहीं हुई तो भूख हड़ताल करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी का आज सैकड़ो की संख्या में आई आशा कार्यकर्ताओं ने घेराव कर दिया। सिहावल ब्लॉक की आशा कार्यकर्ता आज मंगलवार को वेतन संबंधी समस्याओं की मांग को लेकर जिला पंचायत पहुंची और पंचायत में जोरदार प्रदर्शन किया।

कई बार जिला अधिकारी को की शिकायत: आशा कार्यकर्ता अन्नपूर्णा पनिका ने जानकारी देते हुए बताया है कि हम सभी सिहावल ब्लॉक के रहने वाले हैं। हमें 1 साल में 5 से 6 महीने का वेतन दिया जाता है। कभी 1 हजार रुपए दिया जाता है तो कभी 2 हजार दिया जाता है। हमनें कई बार इसकी शिकायत जिला अधिकारी को की लेकिन हमें भुगतान नहीं दिया जाता।

सिहावल अस्पताल के अकाउंटेंट करते हैं अभद्रता: वहीं आशा कार्यकर्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया है कि सिहावल अस्पताल के अकाउंटेंट के पद मे पदस्थ जगन्नाथ सिंह अभद्रता करते हैं। जब भी पैसे की बात करते हैं तो हमें गाली गलौज देकर भगा दिया जाता है। आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि अगर सुनवाई नहीं होती है तो आगे भूख हड़ताल की जाएगी। जिसके बाद आशा कार्यकर्ताओं ने अपर कलेक्टर राजेश शाही को ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने किया रेलवे विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

शिवसेना ने दिया आंदोलन में साथ; किसानों ने कराया सामूहिक मुंडन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आज भी ऐसे किसान है जिन्हें रेलवे विभाग ने जमीन अधिग्रहण करने के बाद भी मुआवजे की राशि नहीं दी है। इसके अलावा मुआवजे के साथ ही साथ नौकरी देने का सरकार का वादा भी अधूरा है। इसी मुद्दे पर मंगलवार के दिन शिवसैनिको ने किसानों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। शिवसैनिकों ने प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत के गेट पर ताला तक जड़ दिया। इससे जिला पंचायत सीधी का काम भी बाधित रहा।

13 किसानों ने करवाया सामूहिक मुंडन: धरना प्रदर्शन के दौरान 13 किसानों ने अपना मुंडन भी करवाया। किसानों ने जिला पंचायत के गेट के सामने नाई को बुलाकर मुंडन करवाया। आनंद साहू,राम दरस विश्वकर्मा, सुकेश मिश्रा, बृजेश बंसल,रह बंसल सहित अन्य किसानों ने मुंडन करवाया है। वहीं पूरे मामले पर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रदर्शन सिर्फ प्रशासन को चेताने के लिए था। अगर सरकार और जिला प्रशासन किसानों की मांग पूरी नहीं करता है तो आगे यह प्रदर्शन और उग्र होगा।

5 को विद्युत आपूर्ति रहेगी प्रभावित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (संचा-संधा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि 132/33 केव्ही उपकेन्द्र सीधी में 40 एम.व्ही.ए. भेल एक्समर एट 220 केव्हीए एस/एस सीधी का शेष प्री-मानसून मेन्टीनेंश एवं टेस्टिंग कार्य कराने हेतु दिनांक 05.09.2024 को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। उन्होने बताया कि दिनांक 05.09.2024 को 220 के.व्ही.ए. उपकेन्द्र सीधी से निकलने वाली 33 के.व्ही.ए. सेमरिया, 33 के.व्ही.ए. जेपी.- प् एवं 33 के.व्ही.ए. जे.पी.-प्प् 33 के.व्ही.ए. मड़वास एवं 33 के.व्ही.ए. सिहावल से संबंधित सभी उपकेन्द्र सटडाउन के दौरान बन्द रहेंगे।

विचार

जीएम फसलों पर यूरोपीय अनुभवों के सबक

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने को कहा है। पिछले दो दशकों से संशयवादी जीएम फसलों की देश में आमद को रोकने में सफल रहे हैं, और संभावना है कि वे इसका विरोध जारी रखेंगे। पिछले सप्ताह, 18 राज्यों के फार्म यूनियन नेताओं ने जीएम फसलों और इसके पर्यावरणीय प्रभाव, वस्तु-व्यापार, कृषि विविधता, और मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में जीएम फसलों के विरोध में सभी एकमत थे। भारत पहले ही जीएम जैव के संबंध में एक उचित और स्वीकार्य नीति बनाने में जूझ रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने सदस्य देशों में जीएम उत्पादों/बीजों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है। ईयू जीएम जैव पर एक अपेक्षाकृत अच्छी नीति बनाने में सक्षम रहा है (हालांकि यह पूरी तरह से सही नहीं है), और यह भारत के लिए एक सबक हो सकता है। कृषि विकास का इतिहास हमें बताता है कि दुनिया ने अब तक तीन 'हरित क्रांतियां' देखी हैं। पहली हरित क्रांति की शुरुआत 1930 के दशक में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में हुई। इसमें उर्वरक, कीटनाशक, फसल प्रजातियां, मशीनरी और कृषि प्रबंधन में सुधार शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप मक्का और अन्य तापमान-जलवायु पर आधारित फसलों की उपज में तेजी से वृद्धि हुई। दूसरी हरित क्रांति 1960 और 1970 के दशकों में आई, जिसमें कुछ भारतीय राज्य भी शामिल थे। इस क्रांति ने विकासशील देशों और गर्म इलाकों में उगाई जाने वाली फसलों के लिए समान तकनीकें उपलब्ध कराईं, लेकिन इन तकनीकों को स्वदेशी अनुसंधान और विस्तार नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित किया गया। जीएम उत्पाद, विशेषकर कृषि में आनुवंशिक इंजीनियरिंग का उपयोग करके बने बीज, 1970 के दशक में प्रकट हुए और 1990 के दशक से मुख्यतः उत्तरी अमेरिका में इनका व्यवसायीकरण किया गया। इस तकनीक के समर्थकों का दावा है कि इससे कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी और खाद्य आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा।

सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे

ललित गर्ग

यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है।'

न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके इसके लिये हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार की उम्मीद जगी है। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

अब विकसित भारत के सपने से चौंक रही है दुनिया

कमलेश पांडे

जिस तरह से पिछले 10 वर्षों में ग्लोबल इकॉनमी महज 35त्न बढ़ी है, लेकिन इसी अवधि में भारत की इकॉनमी में करीब 90त्न की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, वह चौंकाता जरूर है, लेकिन लगे हाथ यह भी स्पष्ट करता है कि पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार अपने सटीक लक्ष्य को हासिल करने की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनके अथक प्रयासों से आज भारत दुनिया की नॉलेज सर्विसेज कैपिटल और ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। इसके साथ ही वह विकसित देश बनने की राह पर पर फर्राटे भर रहा है, जो सभी भारतवासियों के लिए गर्व और खुशी की बात है। देश को आये दिन मिल रही वैश्विक और राष्ट्रीय उपलब्धियों से यह आईने की तरह बिल्कुल साफ है कि भारत की छवि अब उपेक्षित और पिछड़े देश की नहीं है। बल्कि यह देश अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। अब हम ऐसे भारत में रह रहे हैं, जो दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र है। आज इसकी पिछड़ी हुई इमेज नहीं है, बल्कि एक ऐसे कर्मठ देश की है, जो दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है, जो वैश्विक कंपनियों को चीफ एग्जिक्यूटिव सप्लाई करता है, जो बहुत तेजी से फिजिकल और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है। आज इसकी इमेज ऐसे देश की है, जो ग्लोबल स्केल वाले बिजनेस हाउसेज का घर है। जहां दुनिया की हर बड़ी कंपनी मौजूद होना चाहता है। यह टैलेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिटी और नॉलेज का सबूत है, जो भारत ऑफर कर रहा है। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि भारत साल 2047 तक न केवल विकसित बनेगा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक ताकत

के आधार पर भारत दुनिया के सबसे सम्मानित देश के रूप में उभरेगा। क्योंकि इसके पीछे पीएम नरेंद्र मोदी का विजन 2047 है, जिसके माध्यम से उन्होंने लोगों को बड़े सपने देखना सिखाया। साथ ही, दुनिया को मेक इन इंडिया का भरोसा दिया। उन्होंने देश को टेक्नॉलजी बूस्टर शॉट दिया और संदेह में पड़ी दुनिया को मेक इन इंडिया का भरोसा दिया। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आज भारत ग्रासरूट पर डिलिवरी का रोल मॉडल है। ऐसा इसलिए हो सका, क्योंकि प्रधानमंत्री ने टेक्नॉलजी के जरिए समाज के वंचित वर्गों को लाभ पहुंचाए। देखा जाए तो मौजूदा दौर वाले आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का वैसा ही असर दिखेगा, जैसा कभी भाप के इंजन से हुआ था। सच कहूं तो जो एआई (द्ध) में आगे बढ़ेगा, जीत उसी की होगी। डिवेलपर भारत के जीडीपी को रफ्तार दे रहे हैं। 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का जोर रिफॉर्म, स्टेबल पॉलिसी और हाई ग्रोथ पर है। उन्होंने कहा भी है कि अभी हमारी तीसरे कार्यकाल की सरकार बने 100 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन हम इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने में जुटे हैं। हम रिफॉर्म्स में भी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। बीते 3 महीनों में हमने गरीबों, किसानों, महिलाओं और नौजवानों के लिए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए हैं। हमारी सरकार अब पहले से तीन गुना तेज गति से काम कर रही है। भारत के वोटर्स ने 60 साल बाद किसी सरकार की हैटट्रिक लगवाई है।

गत दिनों देश-दुनिया की टॉप कंपनियों के अधिकारियों से संवाद करते हुए मोदी ने कहा कि हमारा वादा है कि हम रिफॉर्म करेंगे, आप वादा कीजिए कि परफॉर्म करेंगे। हम हाई ग्रोथ पर ध्यान देंगे, आप हाई क्वॉलिटी पर ध्यान देंगे। इस पर गिट हब के सीईओ थॉमस डोमके ने ठीक ही कहा कि साल 2027 तक सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर डिवेलपर भारत में होंगे और यह अमेरिका से आगे निकल चुका होगा। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रेजिडेंट अहमद मजारी ने कहा कि भारत दुनिया की नॉलेज सर्विसेज कैपिटल बन सकता है। इसमें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अगुवा बनने की क्षमता है। भारत का दमखम केवल बेंगलुरु और हैदराबाद जैसी जगहों में नहीं है, बल्कि देश के हर गांव और नागरिक में क्षमता है। एआई (द्ध) के जरिए भारत इनोवेशन की राह पर तेजी से बढ़ सकता है।

वहीं, गौतम सिंघानिया, चेयरमैन, रेमंड्स का भी कहना है कि भारत विकसित देश बनने की राह पर है। हमें ऐसी ग्रोथ चाहिए, जिसका फायदा सभी लोगों को मिले क्योंकि भारत में काफी लोग गरीब हैं। डेढ़ अरब लोगों के सपनों और अपने देश पर विश्वास के दम पर भारत 2047 में एक अग्रणी देश बन सकता है। जबकि, हुल के प्रबंध निदेशक और सीईओ रोहित जावा की राय है कि भारत में हैरतअंगेज तरीके से बदलाव हुआ है। आने वाले दिनों में दुनिया की वर्किंग पॉपुलेशन का 27त्न हिस्सा भारत से आने वाला है। इसलिए भारत के युवाओं की रोजगार पाने की क्षमता बढ़ाना सबसे अहम है।

वहीं, नौरियल रुबिनी, एमेरिटस प्रफेसर, इकॉनमी, न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी का विचार है कि भारत सही राह पर है। पिछले दशकों में चीन की ग्रोथ भारत से ज्यादा थी। लेकिन नया भारत आने वाले दशकों में एक बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार जारी रखने होंगे, चाहे सरकार बहुमत की हो या गठबंधन वाली। इससे साफ है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने समृद्ध भारत से ही पूरे विश्व की समृद्धि का रास्ता बनने की बात पर जो जोर दिया है, वह अकारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे उनकी टीम की ठोस रणनीति है। उन्होंने ठीक ही कहा कि भारत अपनी नीतियां बीते कल के हिसाब से नहीं, बल्कि आने वाले कल को ध्यान में रखते हुए बना रहा है और फोकस फ्यूचर पर है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि सरकार कर जोर रिफॉर्म, स्टेबल पॉलिसी और हाई ग्रोथ पर है। अब वो उन पिलर्स की चर्चा करते दिखते हैं, जो विकसित भारत के निर्माण को गति देने वाले है। ये सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक खुशहाली के भी पिलर्स है। इसलिए आज भारत में चारो तरफ अवसर बढ़ रहे हैं। हम बहुत लंबी छलांग लगाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।% पीएम मोदी ने ठीक ही कहा है कि इस साल दुनिया के कई बड़े देशों में वोटिंग हुई है, ज्यादातर जगहों पर लोगों ने चेंज के लिए वोट किया है। कई देशों में सरकार को मुश्किलें आई हैं, लेकिन भारत के वोटर्स ने 60 साल बाद किसी सरकार की हैटट्रिक लगवाई है। इसलिए भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है। इसके लिए देश में एक रिवॉल्यूशन चल रहा है। आज एमएसएमई को जितना सपोर्ट मिल रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। प्लग ऐड प्ले पार्क बन रहे हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अधिकाधिक इनोवेशन पर जोर देते हुए कहा कि गुलामी के कालखंड से पहले भारत की समृद्धि का आधार हमारा नॉलेज सिस्टम था। यह विकसित भारत का भी एक अहम पिलर है।

छत्तीसगढ़ में जवाब सुनकर छात्राओं ने की शिकायत, हिडन-कैमरा लेकर भी पहुंच चुका है

पानी पीने की परमिशन मांगी तो हेडमास्टर बोला-पेशाब पी लो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में प्रधान पाठक ने छात्राओं को पानी की जगह पेशाब पीने कह दिया। बच्चियों ने उनसे पूछा कि, सर हम पानी पीने सड़क के उस पार जाएं क्या, तो टीचर ने पहले कहा कि नाली का पानी पीने जाओ। जब छात्रा ने मना किया, तो कह दिया पेशाब पी लो।

यह मामला वाड्रफनगर के माध्यमिक शाला फूलीडुमर का है। 30 अगस्त को प्रधान पाठक रामकृष्ण त्रिपाठी से यह जवाब सुनकर नाराज 7वीं क्लास की छात्राएं सरपंच के पास पहुंची। उनको पूरी बात बताई। जिसके

बाद सरपंच ने बीईओ को बुलाकर कार्रवाई की मांग की।

प्रधान पाठक को किया गया निलंबित: कलेक्टर रिमीजीयूस से जब इस घटना पर बात की गई तो एक्का ने कहा कि, यह घटना बेहद शर्मनाक है। जैसे ही यह बात हमारे संज्ञान में आई हमने तत्काल फूलीडुमर माध्यमिक शाला के हेडमास्टर रामकृष्ण त्रिपाठी को निलंबित कर दिया है। साथ ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार को जांच के आदेश दिए हैं।

हिडन कैमरा लेकर भी पहुंचे थे: एक महीने पहले वाड्रफनगर बीईओ मनीष कुमार स्कूल की जांच में भी पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान मिडिल स्कूल के शिक्षकों की नजर हेडमास्टर के बैग पर पड़ी तो वे चौंक गए। हेडमास्टर के हैंडबैग में एक हिडन कैमरा छिपा हुआ था। इस पर BEO ने हेडमास्टर को नोटिस भी थमाया था।

टीकाकरण से मौत : जांच टीम पर भड़के परिजन

कहा- बच्चे तो नहीं रहे, अब क्या लेने आए हो, चले जाओ, खाली हाथ लौटे अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में टीकाकरण से 2 बच्चों की मौत के मामले की जांच करने आई 5 सदस्यीय टीम को परिजनों ने लौटा दिया। परिवार वाले बोले अब यहां क्या करने आए हो, जो होना था वो तो हो चुका है। बच्चे तो अब रहे नहीं। मामला कोटा के पटैता के कोरीपारा का है।

भड़के ग्रामीण और अभिभावकों ने कहा कि यहां जांच करने की कोई भी जरूरत नहीं है। जांच के नाम पर हमें फिर से ठगने की कोशिश की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ने दोनों बच्चों की जान ली है।

जांच टीम सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी: 29 अगस्त को टीकाकरण से 2 बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना को स्थानीय अधिकारियों ने नजरअंदाज कर दिया था, जिसके बाद सरकार ने सच जानने के लिए जांच टीम बनाई है। टीम अब सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। इसमें जो भी दोषी होगा उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने अधिकारियों की एक भी नहीं सुनी: परिजनों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ने दोनों बच्चे की जान ली है। अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इसके बाद जांच टीम आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची। बच्चों को टीका लगाने वाली टीम से पूछताछ की। सील किए गए वैक्सीन के बारे में जानकारी ली। साथ ही दोनों बच्चों की जहां डिलीवरी हुई थी, वहां पहुंचकर डिलीवरी से संबंधित कागजात लेकर लौट गई।

जांच टीम में कौन-कौन अधिकारी ? : जांच टीम में संयुक्त संचालक बिलासपुर संभाग, संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जेपी आर्या, राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वीआर भगत, राज्य कार्यक्रम अधिकारी स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शैलेंद्र अग्रवाल, शिशु रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल रायपुर डॉ. नियल मजोरकर के साथ ही WHO से डॉ. प्रवीण को टीम में रखा गया है।

विधायक अटल बोले- BJP सरकार की लचर व्यवस्था: वहीं मामले की जांच करने के लिए कांग्रेस की 5 सदस्यों की टीम भी पटैता के कोरीपारा पहुंची। गांव में पीड़ित परिवार से मामले की जानकारी ली। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेष पांडेय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी, कोटा ब्लाक अध्यक्ष आदित्य दीक्षित और बीना मसीह कोटा अस्पताल पहुंचे।

बच्चों का पोस्टमॉर्टम क्यों नहीं करवाया गया- कांग्रेस: कांग्रेस जांच कमेटी ने कोटा BMO डॉ. निखलेश गुप्ता के साथ ही पटैता में टीका लगाने वाली कार्यकर्ता से भी बात की। इसके बाद सवाल उठाया गया कि टीकाकरण से 2 बच्चों की मौत के बाद दवा की जांच क्यों नहीं की गई। क्या दवा अमानक थी, तो बच्चों का पोस्टमॉर्टम क्यों नहीं करवाया गया। सरकार का दायित्व है कि पोस्टमॉर्टम कराए। सरकार इस मामले को दबाने में लग गई है।

कोटा बीएमओ काफी लापरवाह दिखे : कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने बताया कि कोटा बीएमओ काफी लापरवाह दिखे, जिस दिन बच्चों की मौत हुई, उसी दिन उनका पोस्टमॉर्टम होना था, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। हमारी पूरी नजर कोटा के स्वास्थ्य विभाग की मॉनिटरिंग करने पर है।

सरकार स्वास्थ्य सेवाएं ठीक नहीं कर पा रही: पूर्व विधायक शैलेष पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार स्वास्थ्य सेवाएं ठीक नहीं कर पा रही है। प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है, तब से लगातार बड़ी घटनाएं हो रही हैं। डायरिया, मलेरिया, डेंगू, स्वाइन फ्लू जैसी गंभीर बीमारियों से लोगों की मौत हो रही है। उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की।

अन्य बच्चों की हालत हो रही सामान्य: शुक्रवार को पटैता के आंगनबाड़ी केंद्र में कुल आठ बच्चों को टीका लगाया गया था। इसमे से दो बच्चों की मौत हो गई और अन्य छह बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। ऐसे में आननफानन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराकर निगरानी में रखा। वहीं अब बच्चों की हालत ठीक होने लगी है। धीरे-धीरे सभी बच्चे स्वस्थ्य हो रहे हैं।

देर रात तक चली अधिकारियों की बैठक : रायपुर से आई जांच टीम के रवाना होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक देर रात को हुई। मामले में आगे क्या करना है, इस पर निर्णय लेने की कोशिश की गई। लेकिन बैठक में यह निर्णय नहीं लिया जा सका कि सील वैक्सीन को जांच के लिए भेजना है या नहीं। कुल मिलाकर खानापूर्ति रवैया अपनाते हुए इसे दबाने की कोशिश की जा रही है।

नियमित टीकाकरण स्थगित: हर मंगलवार और शुक्रवार को बच्चों का नियमित टीकाकरण किया जाता है, लेकिन टीकाकरण को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

बालोद में ट्रेन से कटकर सुसाइड की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। लेकिन दुर्ग-दल्ली राजहरा रेलवे ट्रैक पर युवक की आत्महत्या की कोशिश नाकाम रही। समय रहते रेलवे विभाग के कर्मचारियों ने युवक को बचा लिया।

बताया जा रहा है कि युवक दो दिन पहले ही चोरी के मामले में जेल से छूट कर बाहर आया था। युवक ने आत्महत्या की कोशिश क्यों कि इस बात का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

लोको पायलट की सूझबूझ से बची जान: पैसेंजर ट्रेन को आते देख युवक लक्ष्मी नारायण गंधर्व पटरी पर सो गया था। युवक को देखकर लोको पायलट ने ट्रेन की रफ्तार धीमी की और समय रहते उसे युवक को रेलवे कर्मियों ने बचा लिया। इस तरह पायलट की सूझबूझ से युवक की जान बच गई।

ट्रेन को आते देख पटरी पर लेट गया: ट्रेन को आते देख युवक पटरी पर जाकर लेट गया। वह खुद

को खत्म कर देना चाहता था। रेलवे कर्मियों और स्थानीय लोगों ने उसकी जान बचाई। उसके बाद उस जगह पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवक के हाथ और सिर में गंभीर चोट आई है।

युवक से की जाएगी पूछताछ: घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। आखिर युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके लिए पूछताछ की जाएगी।

वारदात में 6 नाबालिग सहित 7 लोग शामिल

छत्तीसगढ़ में 8वीं की छात्रा से गैंगरेप, सहेलियों के साथ लौट रही थी घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर-सरगुजा जिले के बॉर्डर पर 8वीं की छात्रा से गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए। लड़की अपनी 2 सहेलियों के साथ बाजार से लौट रही थी। इस दौरान आरोपी उसे उठा ले गए। वारदात में 6 नाबालिग सहित 7 लोग शामिल हैं। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र की 14 साल की छात्रा रविवार को अपनी 2 सहेलियों के साथ जशपुर के पत्थलगांव क्षेत्र में मुड़केला साप्ताहिक बाजार गई थी। वहां से तीनों शाम करीब 6.30 बजे घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में 3 नाबालिग मिले और उन्हें लड़कियों को रोक लिया।

सुनसान इलाके में ले जाकर किया गैंगरेप: बताया जा रहा है कि लड़की की दोनों सहेलियों को बाइक सवार बहाने से सुनसान रास्ते पर ले गए। इसी बीच आरोपी नाबालिगों के

4 दोस्त और पहुंच गए। उन्होंने सहेलियों को पकड़ लिया, वहीं तीनों नाबालिगों ने छात्रा के कपड़े फाड़ दिए और उससे दुष्कर्म किया।

थाने पहुंचे परिजन, देर रात लौटी छात्रा : छात्रा के देर तक घर नहीं लौटने से परेशान परिजनों ने गांव में उसकी तलाश शुरू की। फिर सीतापुर थाने में गुमशुदगी की सूचना देने पहुंचे। इस बीच देर रात करीब एक बजे छात्रा घर पहुंची और मां को जानकारी दी। परिजन अगले दिन सोमवार को सीतापुर थाने पहुंचे और FIR दर्ज कराई। छात्रा की ओर से दी गई शिकायत में बताया गया कि, राजापुर इलाके के आरोपियों ने छात्र से दुष्कर्म किया है। छात्रा ने बताया कि आरोपी शारीरिक संबंध बनाने के लिए बोल रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे पकड़ लिया। वारदात के बाद आरोपी छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने 7 को पकड़ा, 6 नाबालिग: सरगुजा SP योगेश पटेल ने बताया कि मामले में 7 आरोपियों को सीतापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बालिग और अन्य 6 आरोपी नाबालिग हैं। पीड़िता कक्षा 8वीं की और उसकी सहेलियों में एक 8वीं और एक 9वीं की छात्रा है। आरोपियों में से कुछ पीड़िता की सहेलियों के पूर्व परिचित हैं। सरगुजा SP योगेश पटेल ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद सभी को आरोपी बनाया है। सीतापुर थाने में शून्य पर मामला दर्ज किया गया है। घटनास्थल जशपुर जिला है, इसलिए केस डायरी पत्थलगांव थाना भेजी जा रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 13 घंटे चली मुठभेड़, हथियार-विस्फोटक बरामद; बीजापुर में 13 नक्सली पकड़े गए

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 9 नक्सलियों को मार गिराया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मंगलवार (3 सितंबर) को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें 6 महिला नक्सली शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और स्वचालित राइफल, 303 और 315 बोर राइफल, विस्फोटक बरामद किया है। मुठभेड़ किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला के जंगल में हुई। बताया जा रहा है कि करीब 13 घंटे तक मुठभेड़ चली है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन में शामिल सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जनवरी से आज तक कुल 153 नक्सली मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं।

नक्सलियों की सूचना पर रात में रवाना हुए थे जवान : दंतेवाड़ा जिले के SP गौरव राय ने दैनिक भास्कर को बताया कि, बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे पुरंगेल, लोहा गांव की तरफ पश्चिम बस्तर डिवीजन के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद DRG और CRPF के जवानों को रात में सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। जवान जब नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे

तो नक्सलियों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दिया।

बीजापुर में विस्फोटक के साथ पकड़े गए 13 नक्सली : बीजापुर जिले में भी पुलिस ने मंगलवार को 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सलियों से विस्फोटक, तीर-धनुष और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि, डीआरजी, पुलिस और कोबरा बटालियन 202 के जवान संयुक्त रूप से सर्चिंग पर निकले थे। इस दौरान तर्रेम क्षेत्र से इन्हें पकड़ा गया।

CM बोले- जवानों की बहादुरी को सलाम : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, जब से भाजपा की सरकार बनी है, तब से सरकार नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है, हमारे जवान लड़ रहे हैं। हम अपने जवानों की बहादुरी को सलाम करते हैं। अभी 9 नक्सली मारे गए हैं। बहुत जल्द इस राज्य से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा। वहीं डिप्टी CM और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, जवानों की भुजाओं की ताकत है, जिसके आगे पूरा बस्तर शांत होने वाला है।

6 दिन पहले नारायणपुर में मारी गई थीं 3 महिला नक्सली: नारायणपुर के अबूझमाड़ में भी जवानों ने 29 अगस्त को मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया था। इनकी पहचान उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी और पीएलजीए कंपनी नंबर 5 की सदस्य के रूप में हुई थी। इन पर 18 लाख का इनाम था। मौके से जवानों ने 303 राइफल और 315 बोर की बंदूक समेत भारी मात्रा में हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की थी।

तीजा पर बहन को लेने गए 2 भाइयों की मौत,गरियाबंद में अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को कुचला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। नेशनल हाईवे में कोड़ो हरदी मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। मृतक नगरी के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार दोनों भाई बहन को तीजा पर्व के लिए लेने जा रहे थे। युवक बाइक में सवार होकर गरियाबंद की ओर आ रहे थे। मृतक दयालु ध्रुव और गजेंद्र ध्रुव दोनों नगरी के रहने वाले हैं, जो कोडो हरदी अपने बहन को तीजा पर्व के लेने के लिए आ रहे थे। दोनों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: टक्कर से दोनों युवकों के सिर के चिथड़े उड़ गए। सिर के कुछ हिस्से छिटक कर दूर पड़े हुए थे। हादसे की सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लाया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में बीमार महिला को उफनता नाला कराया पार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बीमार महिला को बचाने के लिए ग्रामीणों ने खुद की जिंदगी दांव पर लगाई दी। महिला को खाट पर लिटाकर उफनते नाले को पार कराया। कई किलोमीटर पैदल चलकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद महिला को अस्पताल पहुंचाया गया।

दरअसल, मामला उसूर ब्लॉक के मारुड़बाका गांव का है। इस गांव की रहने वाली महिला जोगी पोडियामी फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गई थी। 4-5 दिनों से बीमार थी। गांव में ही देसी इलाज चल रहा था। जब हालत बिगड़ी तो महिला के पति कोसा कुडियाम ने अस्पताल लाने की तैयारी की। एंबुलेंस 108 से संपर्क किया।

इस दौरान 108 के कर्मचारी कच्चे रास्ते से होते हुए गांव से कुछ किमी पहले तक ही पहुंच गए, लेकिन गांव तक पहुंचने वाले रास्ते में बरसाती नाला उफान पर था। एंबुलेंस आगे नहीं बढ़ पाई। महिला के पति ने गांव के ग्रामीणों से मदद मांगी।

गांव के युवकों ने नाले के दोनों छोर में रस्सी बांधी, फिर महिला को खाट पर लिटाकर खाट को कांधे पर उठाकर रस्सी के सहारे पार किया। बताया जा रहा है कि महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

भाई कंधे पर बैठाकर स्कूल ले जाता था; अब लिख डाली 20 किताबें, बनाए 270 वीडियो

छत्तीसगढ़ की टीचर को राष्ट्रपति पुरस्कार, 80% दिव्यांग

अब लिख डाली 20 किताबें, बनाए 270 वीडियो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की के. शारदा 50 शिक्षकों में से एक हैं जिन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 के विजेताओं के नाम घोषित किए हैं। 50 नामों की लिस्ट में 2 दिव्यांग टीचर हैं जिनमें से एक दुर्ग की के. शारदा हैं। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर सभी का सम्मान किया जाएगा।

के. शारदा से बातचीत की तो पता चला कि वह 20 से ज्यादा किताबें लिख चुकी हैं। अभी वे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला

खेदामारा में पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि जब वह 3-4 साल की थी, तब से पोलियो के कारण कमर से नीचे का हिस्सा 80 प्रतिशत दिव्यांग है। इनके बड़े भाई कांधे पर बैठाकर स्कूल ले जाते थे।

सीढ़ियां नहीं चढ़ पाने से सरकारी स्कूल में पढ़ाई की: के. शारदा भिलाई कैंप 1 की रहने वाली हैं। परिवार में मां-बाप और दो भाई बहन हैं। के. शारदा ने बताया कि BSP स्कूल कैंप-1 में 8वीं तक पढ़ाई की हैं, लेकिन 9वीं क्लास में सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता था। दिव्यांग होने के कारण चढ़ नहीं पाती थी। ऐसे में 9वीं से 12वीं सरकारी स्कूल और फिर सरकारी कॉलेज से BA इकोनॉमिक और स्पेशल मैथ की डिग्री हासिल है। 2019 से टीचिंग लाइन में आईं। फिलहाल वें खेदामारा में गणित विषय की टीचर हैं।

कोरोना-काल में आया बदलाव, डिजिटल पैटर्न समझा: के. शारदा ने बताया कि कोरोना के दौरान जब बच्चे स्कूल नहीं आ पा रहे थे, तो उन्होंने डिजिटल पैटर्न में जाने की ठानी। घर पर ही टीचिंग लर्निंग मटेरियल के जरिए गणित के अलग-अलग टॉपिक पर वीडियो बनाना शुरू किया। अब तक वे 270 से ज्यादा वीडियो बना चुकी हैं। शारदा ने बताया कि वीडियोज को यू-ट्यूब चैनल में अपलोड कर बच्चों तक पहुंचाती थी। इसके जरिए उनके स्कूल के ही नहीं, बल्कि दूसरे स्कूलों के बच्चों ने भी वीडियो देखकर गणित का कोर्स कम्प्लीट किया। उनके वीडियो को प्रदेश में काफी पसंद किया गया।

20 अलग-अलग विषयों पर किताबें लिखी: अध्यापिका के शारदा ने बताया कि, उन्होंने ऑडियो-वीडियो बुक्स, ई-कंटेंट और खिलौना बुक बनाकर बच्चों के लिए खेल-खेल में पढ़ाई को आसान बनाया। पाठ्यक्रम को आसान बनाने के लिए 20 अलग-अलग विषयों पर किताबें लिखी। कुछ किताबें सरकारी स्कूलों में बतौर पाठ्यक्रम शामिल की गई हैं।

न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत भी एक बुक बनाई नैतिक शिक्षा का सार...इसमें 50 कहानियों का संग्रह है। इसका छत्तीसगढ़ी और अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया गया है। बस्तर क्षेत्र के बच्चों के लिए हल्बी और हिंदी भाषा में भी किताबें लिखी हैं, जो बस्तर के कल्चर को बताती है, जिनसे स्कूलों में पढ़ाई हो रही है।

शारदा ने टीएलएम बुक बनाई: के. शारदा ने टीएलएम बुक में भी अपना कॉन्ट्रीब्यूशन दिया है। इसे 33 जिलों के शिक्षकों ने मिलकर बनाया। महत्वपूर्ण तिथियों का सार बुक में लिखा गया। साथ ही गणित की एक किताब लिखी है, जिसमें क्यूआर कोड के माध्यम से यू-ट्यूब लिंक दिए गए हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर, पूर्व प्रिंसिपल 8 दिन की सीबीआई कस्टडी में

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और अन्य 3 लोगों को 8 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा दिया गया है। सीबीआई ने इन्हें अलीपुर कोर्ट में मंगलवार (3 सितंबर) को पेश किया। इन लोगों को 2 अगस्त को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उधर, केंद्र सरकार ने आज पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका लगाई है। केंद्र का आरोप है कि बंगाल सरकार आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफजवानों को परिवहन और आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं करा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 21 अगस्त को सीआईएसएफ के 92 जवान आरजी कर की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। इनमें 54 महिलाएं भी हैं। इन्हें अपने हथियार रखने की भी जगह नहीं मिली है। केंद्र सरकार के अनुरोध के बाद भी बंगाल सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। वहीं, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ 8-9 अगस्त की रात रेप-मर्डर केस में जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन 25वें दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी डॉक्टर पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल पास

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को एंटी रेप बिल पास हो गया। नए कानून के तहत रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। इसके अलावा पीड़ित के कोमा में जाने या मौत होने पर दोषी को 10 दिन में फांसी की सजा होगी। भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया है। इसे अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक 2024 (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) नाम दिया गया है। अब इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उसके बाद यह राष्ट्रपति के पास जाएगा। दोनों जगह पास होने के बाद यह कानून बन जाएगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर हुआ था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के बाद ममता बनर्जी ने कहा था कि वो राज्य में रेप जैसे अपराध के लिए सख्त कानून बनाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री को भी इसके लिए दो बार चिट्?ठी लिखी थी।

स्वाति मालीवाल ने द्रौपदी चीरहरण की फोटो शेयर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को अपने एक्स अकाउंट से एक फोटो पोस्ट किया। इसमें महाभारत के द्रौपदी चीरहरण के दृश्य को दिखाया गया था। इस पोस्ट के साथ मालीवाल ने कोई कैप्शन नहीं लिखा। हालांकि, इसे बिभव कुमार को जमानत मिलने से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने स्वाति मालीवाल से मारपीट के आरोप में 100 दिन से जेल मे बंद केजरीवाल के पूर्व पीए बिभव कुमार को जमानत दे दी थी। कोर्ट ने कहा था कि मालीवाल को आई चोटें सामान्य हैं।

लोकमाता अहिल्या देवी के सम्मान में महेश्वर में होगी मंत्रि-परिषद की बैठक :मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्या देवी के 300वें जन्मोत्सव वर्ष पर लोकमाता के जन-कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। सुशासन के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव की वृद्धि के लिए लोकमाता अहिल्या देवी के योगदान का आज राज्य मंत्रि-परिषद की बैठक में स्मरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज मंत्रि-परिषद की औपचारिक बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रि-परिषद की आगामी बैठक खरगोन जिले के महेश्वर में रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

लोकमाता अहिल्या देवी के कार्यों से देशवासियों को परिचित कराने के लिए विविध आयोजन किए जाएंगे। लोकमाता अहिल्या देवी ने राजकोष के अलावा स्वयंके कोष से जन-कल्याण के कार्यों को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होल्कर परिवार के न्यास (खासगी ट्रस्ट) की व्यवस्था द्वारा पति की ओर से पत्नी को आय का 25 प्रतिशत अंश प्रदान करने की परम्परा की जानकारी भी दी। लोकमाता अहिल्या देवी ने निजी राशि से देश के अनेक स्थानों में मंदिरों के निर्माण और सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के कार्य किए। मध्यप्रदेश सरकार ने 14 सदस्यीय समिति गठित की है, जो अहिल्या देवी की जन-कल्याण की भावना के साथ आत्म-निर्भर बनाने के उनके प्रयत्नों को व्यवहार में परिणित करने के संबंध में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय करेगी। संस्कृति विभाग और अन्य विभागों की भागीदारी से सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

हरियाणा में कांग्रेस-आप में गठबंधन हो सकता है

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में गठबंधन हो सकता है। दोनों ही पार्टियां चंडीगढ़ मेयर और लोकसभा चुनाव में साथ आने का फॉर्मूला दोहराना चाहती हैं। कांग्रेस-आप ने चंडीगढ़ में नगर निगम और लोकसभा चुनाव जीता था। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी पहल राहुल गांधी ने की है। सोमवार शाम को हुई केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने हरियाणा के नेताओं से इस बारे में पूछा। पार्टी ने गठबंधन के लिए दीपक बाबरिया, अजय माकन और भूपेंद्र हुड्डा की तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। राज्य में दोनों पार्टियों ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया था। राज्य की कुल 10

सीटों में से कांग्रेस ने 9 और क्क ने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस 5 सीटें जीतीं, लेकिन आप कुरूक्षेत्र सीट हार गई थी।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने नेताओं से पूछा कि क्या हमें हरियाणा में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करना चाहिए? साथ ही पूछा कि गठबंधन संभव है या नहीं और अगर हुआ तो इसके फायदे-नुकसान क्या होंगे, इसके बारे में रिपोर्ट मांगी है। माना जा रहा है कि गठबंधन हुआ तो सीट बंटवारे को लेकर लोकसभा चुनाव वाला फॉर्मूला ही अपनाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 9 नक्सली मार गिराए

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मंगलवार (3 सितंबर) को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें 6 महिला नक्सली शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और एसएलआर राइफल, 303 और 315 बोर राइफल, विस्फोटक बरामद किया है। मुठभेड़ किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला के जंगल में हुई। बताया जा रहा है कि करीब 13 घंटे तक मुठभेड़ चली है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन में शामिल सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जनवरी से आज तक कुल 153 नक्सली मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। दंतेवाड़ा जिले के एसपी गौरव राय नेबताया कि, बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे पुरंगेल, लोहा गांव की तरफ पश्चिम बस्तर डिवीजन के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी और सीआरपीएफ के जवानों को रात में सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। जवान जब नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे तो नक्सलियों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। बीजापुर जिले में भी पुलिस ने मंगलवार को 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सलियों से विस्फोटक, तीर-धनुष और अन्य सामान बरामद हुआ है।

मणिपुर में लगातार दूसरे दिन ड्रोन अटैक

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में सोमवार (3 सितंबर) की शाम उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किए। जिसमें में एक महिला समेत 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दो दिन में दूसरा ड्रोन अटैक है। सोमवार शाम करीब 6.20 बजे सेजम चिरांग के रिहायशी इलाके में ड्रोन से 3 विस्फोटक गिराए, जो छत को तोड़ते हुए घरों के अंदर फटे। उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी भी की। जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी फायरिंग की। सेजम चिरांग गांव, कोत्रुक से करीब 3 किमी दूर है, जहां रविवार 1 सितंबर को ड्रोन हमले और गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो

गई थी और 9 लोग घायल भी हुए थे। ये आशंका जताई जा रही है कि कुकी उग्रवादियों को ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है, या वे सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं। मणिपुर सरकार ने इन ड्रोन अटैक की जांच करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अगुआई एडिशनल डीजीपी आशुतोष कुमार सिन्हा करेंगे।

राहुल ने बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुलडोजर एक्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवता और न्याय को बुलडोजर के नीचे कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि इस मामले में कोर्ट निर्देश जारी कर भाजपा सरकारों के लोकतंत्र विरोधी

अभियान से जनता की रक्षा करेगा। देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा, सत्ता के चाबुक से नहीं। दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं-

गुजरात में कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर समुद्र में गिरा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर तट के पास इंडियन कोस्ट गार्ड का एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) अरब सागर में गिर गया। हेलिकॉप्टर पर सवार 4 में से 3 क्रू मेंबर्स लापता हैं। एक को बचा लिया गया है। हेलिकॉप्टर का मलबा मिल गया है। घटना सोमवार (2 सितंबर) की है। आईसीजी ने मंगलवार (3 सितंबर) को सुबह 10-12 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हेलिकॉप्टर पोरबंदर तट से 45 किलोमीटर दूर कार्गो शिप पर रेस्क्यू मिशन के लिए गया था। हेलिकॉप्टर पर 2 पायलट और 2 गोताखोर सवार थे। इनमें से 1 गोताखोर को बचा लिया गया है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि दोनों पायलट और एक गोताखोर की तलाश के लिए 4 जहाज और 2 विमान भेजे गए हैं।ढ्ढ रु॥ ने हाल ही में गुजरात में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 67 लोगों का रेस्क्यू किया था। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, कार्गो शिप हरि लीला पर एक मेंबर घायल था।

केस में केजरीवाल की हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी संज्ञान लिया और केजरीवाल को समन जारी किया। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। कोर्ट ने आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 11 सितंबर तक का समय दिया है। 27 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। तब केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते, यानी 3 सितंबर तक ही हिरासत बढ़ाई थी। सीबीआई ने 30 जुलाई को चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल को आरोपी बनाया गया था। एजेंसी ने आरोप लगाया गया कि केजरीवाल शराब नीति घोटाले में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हैं। सीबीआई को राउज एवेन्यू कोर्ट से 23 अगस्त को केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मिली थी। शराब नीति केस में केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई का केस चल रहा है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

गडकरी बोले- हाईवे-टनल दुर्घटना के लिए डीपीआर बनाने वाले दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाईवे और टनल के निर्माण में आने वाली दिक्कतों के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारियों को जिम्मेदार बताया। नितिन गडकरी ने मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान नेशनल हाईवे, रोड और टनल के कन्स्ट्रक्शन में आ रही समस्याओं पर टिप्पणी की। गडकरी ने कहा कि डीपीआर बनाने वाली कंपनियों के मालिक रिटायर्ड सरकारी अधिकारी हैं। वे बिना किसी विस्तृत जांच के अपने घरों से गूगल पर काम करते हैं। हमारी सरकार डीपीआर मिलने के बाद केवल टेंडर जारी करने का काम करती है। आमतौर पर मंत्री टेक्निकल शब्दों को नहीं समझ पाते, इसलिए हमें ऐसे लोगों को हायर करना पड़ता है। कुछ बड़ी कंपनियां अपने फायदे के हिसाब से डीपीआर बनवा लेते हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार में कोई भी निर्णय लेने के लिए जॉइन्ट सेक्रेटरी, अंडर सेक्रेटरी हमारे मार्गदर्शक और फिलोसॉफर होते हैं। वे फाइल पर जो भी लिखते हैं, उस पर डायरेक्टर जनरल के साइन होते हैं। अंतिम में मंत्री भी साइन करता है। इस तरह पूरा रामराज्य चलता है। अक्सर प्रोजेक्ट्स में अधिकारियों की हेराफेरी की वजह से प्रोजेक्ट की लागत बढ. जाती है। डिटेल्ड स्टडी से यह कम किया जा सकता है। लेकिन ऐसा सभी कंपनियां नहीं करती हैं। नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री 12 अगस्त को शिमला के चलोंठी में निर्माणाधीन टनल गिर गयी। इसके बाद टनल का निर्माण कर रही कंपनी सवालों के घेरे में आ गयी।

केंद्र सरकार ने 23वां लॉ कमीशन गठित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 23वें लॉ कामीशन ऑफ इंडिया के गठन को मंजूरी दे दी है। इसका कार्यकाल 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2027 तक रहेगा। सोमवार देर रात जारी कानून मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, पैनल में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष और सदस्य-सचिव सहित चार पूर्णकालिक सदस्य होंगे। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज इसके अध्यक्ष और सदस्य होंगे। 22वें लॉ पैनल का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया था। सरकार ने 22वें कमीशन का गठन 21 फरवरी 2020 को तीन साल के लिए किया था। जस्टिस अवस्थी ने 9 नवंबर 2022 को अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी 2023 में 22वें इसका कार्यकाल बढ़ा दिया था। स्वतंत्रता के बाद भारत में 1955 में पहला लॉ कमीशन स्थापित किया गया था, तब से 22 आयोग का कार्यकाल पूरा हो चुका है। इनका काम जटिल कानूनी मसलों पर सरकार को सलाह देना होता है। 22वें कमीशन ने सरकार को कई मामलों में सुझाव दिए हैं। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन, पॉक्सो

एक्ट और ऑनलाइन स्नद्बक्र और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दे शामिल हैं। यूसीसी को लेकर आयोग की रिपोर्ट अभी तक अधूरी है। वहीं वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर रिपोर्ट तैयार है लेकिन कानून मंत्रालय को जमा करने का इंतजार है। रिटायर्ड जस्टिस ऋतुराज अवस्थी 22वें लॉ कमीशन के अध्यक्ष थे, जिन्हें भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था लोकपाल का सदस्य भी नियुक्त किया गया था। लॉ कमीशन ने 14 जून 2023 को यूसीसी पर आम लोगों, संगठनों से सुझाव मांगे थे। आयोग का मानना है कि यह मुद्दा देश के हर नागरिक से जुड़ा है, ऐसे में कोई फैसला लेने से पहले उनकी राय जानना जरूरी है। आयोग को 46 लाख से ज्यादा सुझाव मिल थे। तब लॉ कमीशन के चेयरमैन जस्टिस ऋतुराज अवस्थी का भी बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था- यूसीसीकोई नया मुद्दा नहीं है। हमने कंसल्टेशन प्रोसेस भी शुरू कर दी है। इसके लिए कमीशन ने आम जनता की राय मांगी है।

युवराज सिंह के पिता योगराज ने एमएस धोनी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने एक बार फिर से एमएस धोनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि धोनी ने उनके बेटे युवराज सिंह का क्रिकेट करियर बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि वह भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे क्योंकि उनका बेटा टीम के लिए टीम के लिए 5-6 साल और खेल सकता था। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह पहले भी अपने बेटे के क्रिकेट करियर में गिरावट के लिए एमएस धोनी को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने धोनी पर निशाना साधने से परहेज नहीं किया। योगराज सिंह ने कहा कि धोनी को आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि धोनी इतना बड़ा क्रिकेटर है, लेकिन उसने युवराज सिंह के साथ कुछ भी अच्छा नहीं किया। जी स्विच यूट्यूब चैन से बात करते हुए योगराज ने कहा कि मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा और उसे आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। योगराज ने आगे कहा कि वह बहुत बड़ा क्रिकेटर है, लेकिन उसने मेरे बेटे के खिलाफ जो कुछ किया है। वह सब अब सामने आ रहा है, उसे जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में भी दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। रावलपिंडी में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला गया, जिसे बांग्लादेश टीम ने 2-0 से जीत लिया। इस मुकाबले में नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी में बांग्लादेश ने इतिहास रच दिया। बता दें कि, बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में मेहंदी हसन मेराज, लिटन दास, हसन महमूद और नाहिद राणा का अहम रोल रहा। टेस्ट सीरीज में हार से बचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में दूसरा टेस्ट अपने नाम करना था लेकिन शान मसूद की टीम ऐसा करने में नाकामयाब रही। दूसरे टेस्ट का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया इसके बाद दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए और पहली ही पारी में टीम 274 रन ही बना सकी। इसके बाद पहली पारी में बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 26 रन के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर गए। लेकिन इसके बाद लिटन दास ने 138 और गेंदबाजी में 5 विकेट लेने वाले मेहंदी हसन मेराज ने बेहतरीन वापसी करते हुए 78 रनों की पारी खेली और कमाल कर दिया। बांग्लादेशी टीम ने 26/6 से स्कोर को 262 तक पहुंचा दिया। वहीं दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फुस्स रहे, अब्दुल्लाह शफीक, बाबर आजम, शान मसूद और सऊद शकील सभी फ्लॉप रहे। पूरी टीम महज 172 रनों पर सिमट गई। पहली पारी में 12 रनों की बढ़त के आधार पर पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 185 रन का टारगेट दिया। चौथे दिन जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने बांग्लादेश को तूफानी शुरूआत दिलाई, लेकिन बारिश और खराब मौसम बांग्लादेश की जीत में रोड़ा बन गया। अब पांचवें दिन इतिहास रचने के लिए बांग्लादेश को 143 रन और बनाने थे। पिच गेंदबाजों के लिए मददगार हो गई थी। लेकिन बांग्लादेश ने गजब का जज्बा दिखाया और सिर्फ चार विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया। बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में जाकिर हसन ने 40 रन, शादमान इस्लाम ने 24, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 38 और मोमिनुल हक ने 34 रन बनाए, अंत में शाकिब अल हसन 21 और मुशफिकुर रहीम 22 रन बनाकर नाबाद लौटे।

पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास ने खेली बेहतरीन पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज लिटन दास ने जैसी पारी खेली उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। एक वक्त पर मेहमान टीम बांग्लादेश ने अपने 6 विकेट 26 रन के स्कोर पर ही गंवा दिया था, लेकिन उसके बाद लिटन दास ने जिस तरह से पाकिस्तान की गेंदबाजी का सामना किया और शतक लगाया वो बेमिसाल ही था। टेस्ट क्रिकेट में ये पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास की बेस्ट पारी रही। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास की टेस्ट में बेस्ट पारी 114 रन की थी, लेकिन उन्होंने इस स्कोर को पार कर लिया। इसके अलावा अपनी इस शतकीय पारी के बाद उन्होंने अपनी टीम के सीनियर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने में भी सफलता हासिल कर ली। लिटन दास ने इस मुकाबले में मेंहदी हसन मिराज के साथ मिलकर 7वें विकेट के लिए 165 रन की बेहतरीन साझेदारी की। लिटन की इस पारी के दम पर बांग्लादेश ने 262 रन बनाए जबकि पाकिस्तान ने पहली पारी में 274 रन बनाए थे। टेस्ट क्रिकेट में लिटन दास की पाकिस्तान के खिलाफ बेस्ट पारी 114 रन की थी जो उन्होंने साल 2021 में खेली थी, लेकिन 3 साल के बाद उन्होंने अपने इस रिकॉर्ड को सुधार लिया। रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने इस टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 4 छक्के और 13 चौकों की मदद से 138 रन बनानए और इस दौरान उन्होंने 228 गेंदों का सामना किया।

जो रूट इस मामले में विराट कोहली के आस-पास भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जो रूट के नाम टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा शतक दर्ज हुए हैं। रूट 34 शतक लगा चुके हैं जबकि केन विलियमसन के नाम 32, स्मिथ के नाम 32 और विराट कोहली के नाम 29 टेस्ट शतक दर्ज हैं। वहीं मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों, लेकिन एक मामले में वह विराट कोहली से काफी दूर हैं। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 50 शतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। विराट ने 348 पारियों में ये कारनामा किया था, विराट के साथ साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला ने भी इतनी ही पारियों में 50 इंटरनेशनल शतकों का आंकड़ा छुआ था। सचिन तेंदुलकर ने 376 पारियों में और रिकी पोंटिंग ने 418 पारियों में ये आंकड़ा छुआ था। वहीं जो रूट की बात करें तो उनकी यहां तक पहुंचने में कुल 455 पारियां लग गईं। इन पांचों के अलावा 50 या इससे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कुमार संगकारा, ब्रायन लारा, जैक कालिस और महेला जयवर्धने का नाम दर्ज है।

अब भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से रौंदने के बाद बांग्लादेश टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब 19 सितंबर से बांग्लादेश को भारत में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत में दमदार प्रदर्शन करेगी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से अपने नाम किया था। दूसरा टेस्ट मैच 6 विकेट से जीत लिया। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए दोनों मैच में पाकिस्तान ने क्रिकेट के तीनों डिपार्टमेंट में बांग्लादेश से बेकार प्रदर्शन किया और इसका असर सीरीज के रिजल्ट पर भी साफ नजर आया। पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में नजमुल ने कहा कि, ये जीत हमारे लिए बहुत मायने रखती है, जिससे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। सच में बहुत खुश हूं। हम यहां जीत की तलाश में थे, और इस बात से बहुत खुश हूं कि सबने अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाया शंटो ने आगे कहा कि, हमारे पेसर्स का वर्क एथिक्स बेहतरा था यही वजह है कि हमें ऐसा रिजल्ट मिला। हर कोई खुद से ईमानदार था और सबको जीत चाहिए थी। भारत के खिलाफ सीरीज को लेकर शंटो ने कहा कि, अगली सीरीज हमारे लिए बहुत ज्यादा अहम है। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन को काफी ज्यादा अनुभव है, भारत में ये दोनों बहुत अहम होंगे। मेहंदी हसन मिराज ने जिस तरह से गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाए वह काफी ज्यादा इम्प्रेसिव था। उम्मीद है कि भारत के खिलाफ भी ऐसा करेगा।

डब्ल्यूबीबीएल में ये भारतीय महिला खिलाड़ी खेलते हुए आएंगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 अक्टूबर से शुरू होने वाली आगामी महिला बिग बैश लीग में भारत की 6 महिला क्रिकेटर्स को चुना गया है। इस लिस्ट में टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही मंधाना के साथ अनुबंध कर लिया था। दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से जुड़ेंगी। टॉप क्रम की ये बल्लेबाज पहली बार इस लीग का हिस्सा होंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी डब्ल्यूबीबीएल में डेब्यू करेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम के साथ जुड़ेंगी। भारतीय हरफनमौला दीप्ति शर्मा भी इस टीम का हिस्सा है। तेज गेंदबाजी के साथ बल्ले से योगदान देने के लिए जानी जाने वाली शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने चुना है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुईं हैं। डब्ल्यूबीबीएल 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच मैच के साथ सुरू होगा। हालांकि, हरमनप्रीत कौर और शैफाली वर्मा को महिला बिग बैश लीग 2024 ड्रॉफ में नहीं खरीदा गया। जबकि उनका डब्ल्यूबीबीएल रिकॉर्ड शानदार रहा है।

सचिन ने बढ़ाया पैरा एथलीट्स का विश्वास, प्रीति और निषाद को मेडल जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों 2024 में पदक जीतने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है साथ ही उन्हें बधाई भी दी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो पदक जीते। जहां निषाद कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता तो प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता। जिसे देखकर सचिन तेंदुलकर भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सचिन ने ओलंपिक गेम्स 2024 में पदक जीतने वाले और अच्छा प्रदर्सन करने वाले सभी खिलाड़ियों की सहारना की। पूरी दुनिया में अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाने वाले सचिन ने पेरिस में जारी पैरालंपिक खेलों के मेडलिस्ट को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि, निषाद को हाई जंप में सिल्वर मेडल के लिए बधाई, प्रीति पाल आपने 200 मीटर स्प्रिंट में एक और मेडल जीतकर इस पैरालंपिक में दो पदक अपने नाम कर लिए हैं। आप दोनों मिलकर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं और हमारे दिलों में जगह बना रहे हैं। बहुत शानदार।

हरमनप्रीत सिंह ने कहा- ओलंपिक कांस्य अब बीती बात, एसीटी खिताब पर नजरें हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने का जश्न खत्म करके अब चीन में इस महीने होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखने पर फोकस करना होगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। हरमनप्रीत ने हालांकि कहा कि अब ब्रेक के बाद आठ से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हरमनप्रीत ने चीन रवाना होने से पहले कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक खत्म करके टीम एशियाई टीमों का सामना करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन हॉकी काफी करीबी खेल है। हम अतीत के अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते।'' भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। भारत को आठ सितंबर को चीन से खेलना है।इसके बाद नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान से मुकाबला है। शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को है। भारत ने चार बार और पाकिस्तान ने तीन बार खिताब जीता है। पिछली बार चेन्नई में भारत ने मलेशिया को 4 . 3 से हराकर खिताब जीता था।

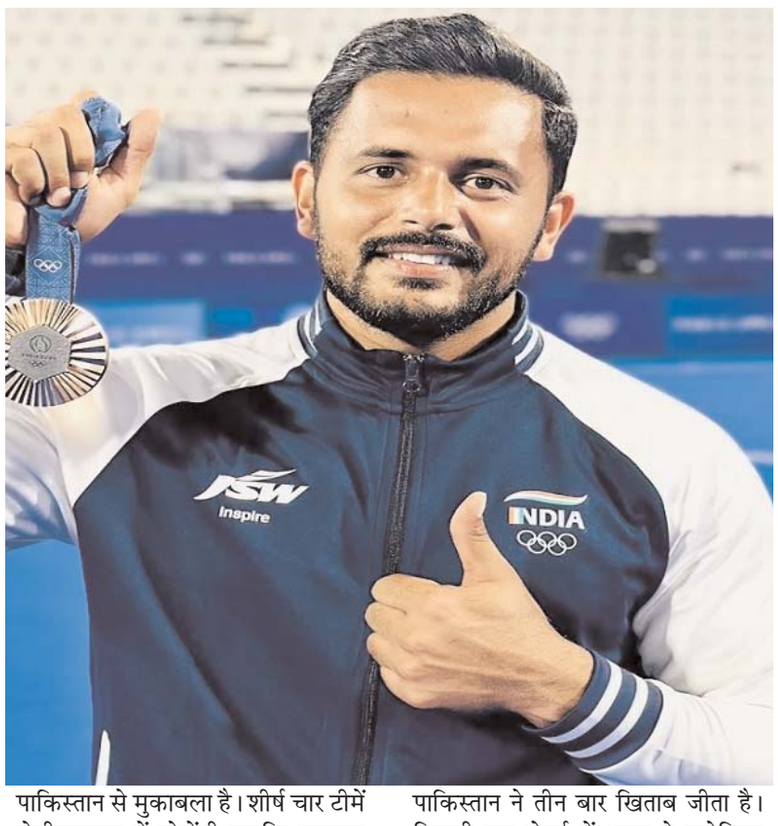

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में इंग्लैंड को फायदा, श्रीलंका को हुआ नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जो रूट के दोहरे शतक और गस एटकिंसन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में शानदार जीत दर्ज की है। जिसके बाद इंग्लैंड के खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत 45 हो गया। वहीं इंग्लैंड टीम मौजूदा समय में चौथे नंबर पर है। डब्ल्यूटीसी रैंकिंग की बात करें तो भारत मौजूदा समय में टॉप पर काबिज है। भारत के 74 पॉइंट्स हैं और टीम के नाम 9 मैच में 6 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 12 में से 8 मैच जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के सात दूसरे नंबर पर है और उसके पॉइंट्स 90 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 6 मैच में 3 जीत और 3 हार के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके 36 अंक और 50.00 पीसीटी है। इंग्लैंड 15 मैच में 8 जीत, 6 हार और 1 ड्रॉ के साथ चौथे नंबर पर है। बता दें कि, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के पॉइंट में दोगुने से ज्यादा का अंतर है। इसके बाद भी न्यूजीलैंड आगे है क्योंकि रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत से निर्धारित होती है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 में, टीमों को जीत के लिए 12 अंक, ड्रॉ के लिए 4 अंक और टाई के लिए 6 अंक मिलते हैं। लीडरबोर्ड निर्धारित करने के लिए रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत का इस्तेमाल किया जाता है। पॉइंट पर्सेंटेज कलकुलेशन टीम को मिले पॉइंट को कुल पॉइंट से भाग देकर 100 से गुणा करते हैं।

प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ चुनाव की मांग, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष बोले- पेपर लीक पर कड़ा कानून बनाए सरकार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई ने छात्र हित से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन का ऐलान किया है। एनएसयूआई ने चार बिंदुओं का एक मांग पत्र तैयार किया है जिस पर फोकस कर प्रदेश भर में छात्रों के हित की लड़ाई लड़ी जाएगी।

मंगलवार को सतना पहुंचे एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एनएसयूआई के मुद्दों की जानकारी मीडिया के साथ साझा की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अजिर बिहारी द्विवेदी ,पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शुभम त्रिपाठी मंजुल तथा पूर्व जिला

अध्यक्ष स्वतन्त्र मिश्रा समेत कई पदाधिकारी - कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि एनएसयूआई ने प्रदेश के महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से पुनः शुरू कराए जाने की मांग उठाई है। प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव होने से स्टूडेंट लीडरशिप डेवलप होती है और युवाओं को राजनीति में आगे आने के अवसर मिलते हैं। लेकिन सुरक्षा और व्यवस्था में अपनी नाकामी छिपाने के लिए सरकार ने ये मौका युवाओं से छीन रखा है।

उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति न मिलने के तमाम मामले सामने आते हैं लिहाजा सरकार छात्रवृत्ति को लोक सेवा गारंटी ने शामिल करें और फर्जी छात्रवृत्ति लेने वाले संस्थानों पर सख्त कार्यवाही करे। लापरवाह अधिकारियों का वेतन तब तक रोके रखा जाए जब तक छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान न हो जाए। उन्होंने तीन लाख से कम आय वाले परिवारों के छात्रों तथा सामान्य वर्ग के छात्रों को भी छात्रवृत्ति योजना से जोड़ने की हिमायत की।

सबको शिक्षा सबको प्रवेश के फ़ार्मूले पर बात करते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- कॉलेजों में सीटें बढ़ाई जाएं और घिसे पिटे सिलेबस की जगह रोजगार मूलक शिक्षा दी जाए। छात्रों को सब्जेक्ट चुनने की छूट मिले तथा एससी एसटी छात्रावासों की संख्या दोगुनी की जाए। साथ ही इसी सत्र से 100 महिला तथा 50 –2ह्य छात्रावास खोले जाएं।

पेपर लीक मामलों पर प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि इस पर सरकार कड़ा कानून बनाए। कानून को सभी तरह की परीक्षाओं पर लागू किया जाए। पेपर लीक के दोषियों को 20 साल की कैद और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान कर संस्थानों की मान्यता निरस्त की जाए।

जनसुनवाई : सतना में 84 प्रकरणों और मैहर में 56 की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे एवं एसडीएम राहुल सिलाडिया ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 84 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

वहीं मैहर में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 56 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकास सिंह, महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आवेदक महेंद्र सिंह पिता छोटेलाल सिंह ग्राम सोनवारी ने बताया कि धान बिक्री केंद्र बंशीपुर तनाजा में अमन इंटरप्राइजेज में 30 दिसंबर 2022 को 183 क्विंटल 60 किलोग्राम कीमत 3 लाख 74 हजार 544 रुपए की धान बिक्री की गई थी। जिसका कई महीने तक भुगतान नहीं किया गया। इस दौरान उन्होंने कई बार शिकायत करने के बाद 1 लाख 50 हजार सिक्योरिटी राशि दे दी गई। बाकी का भुगतान नही किया जा रहा है। इसी प्रकार सावित्री बाई कोल पत्नी बेड़ीलाल कोल निवासी ग्राम देवरी ने बताया कि आराजी नम्बर 69/1/1 रकवा 0.335 हेक्टेयर मेरे नाम पर दर्ज है। इसी आराजी पर मुझे पीएम सम्मान निधि योजना से लाभान्वित हूं। वर्तमान में मैं भूमि केवाईसी करने गई तो मुझे पता चला कि मेरी जानकारी के बगैर मेरी जमीन किसी के नाम पर दर्ज है। जिसमें विक्रेता सुमित्रा कोल और क्रेता शोभा कोल है। इस विषय में क्रेता शोभा कोल से पूछने पर किसी दीपक लालवानी का नाम बताया गया। नत्थू सेन पिता दयाराम सेन निवासी ग्राम मगरौरा ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा घरेलू कलेक्शन का प्रति माह का बिल 100 से 150 तक आता था। जो कि अभी तक बिजली बिल का भुगतान किया जा चुका है। मई 2024 में विद्युत विभाग द्वारा अचानक 35 हजार 139 रूपये का बिल दिया गया है जो कि बहुत ज्यादा है। सभी आवेदनों के आधार पर कलेक्टर जनसुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लगेंगे जरावस्था जन्य स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रदेश के 800 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 5 सितंबर को एक साथ जरावस्था जन्य स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी सतना डॉ. नरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि सतना और मैहर जिले के संचालित 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) क्षेत्र में जरावस्था जन्य स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन 5 सितंबर को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी ने बताया कि इन स्वास्थ्य शिविरों में 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों में उम्र के हिसाब से होने वाली तकलीफ, रोग के साथ ही वृद्ध जनों की देखभाल एवं उनकी आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य जागरूकता लाई जाएगी। इसी प्रकार उनके स्वास्थ्यगत मूल्यांकन करते हुए चिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाएगा।

सतना में तालाब फूटा, कॉलोनियों में घुसा पानी, तेज बहाव में फंसे चार लोग; बच्चों ने गेट पर लटककर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में 70 साल पुराने तालाब की मेढ़ टूट गई। तालाब का पानी आस-पास की कॉलोनियों में भरा गया। घरों के अंदर रखा सामान खराब हो गया। कार और बाइकें भी डूब गईं। दो बच्चे जान बचाने के लिए गेट पर लटके रहे। लोगों ने पुलिस की मदद से उन्हें निकाला। वहीं तेज बहाव में फंसी एक महिला और शख्स का भी रेस्क्यू किया गया। घटना हवाई पट्?टी मार्ग पर उतैली में नारायण तालाब में मंगलवार दोपहर की है। घटना की जानकारी मिलते ही महापौर योगेश ताम्रकार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, एसपी आशुतोष गुप्ता, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीणा मौके पर पहुंचे। नगर निगम, होमगार्ड के अमले के साथ ही राजस्व की टीम और पुलिस बल को भी बुलाया गया। इसके बाद रेस्क्यू और तालाब की टूटी मेढ़ की मरम्मत का काम शुरू किया गया। बता दें कि 2021 से इस तालाब का सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा है। भोपाल के ठेकेदार को करीब 10

करोड़ में इसका ठेका दिया गया है। अभी भी 30 फीसदी काम बाकी है।

लोगों ने कहा- कई दिन से हो रहा था रिसाव: स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि तालाब की मेढ़ को ठेकेदार के लोगों ने क्षति पहुंचाई। उन पर काम में तेजी लाने का दबाव था। उन्होंने पानी बहने के लिए पुलिया के पास क्रांक्रीट स्ट्रक्चर को तोड़ कर चौड़ा किया। प्रियदर्शनी नगर की सनी द्विवेदी ने बताया कि पिछले कई दिनों से स्थानीय पार्षद को बताया जा रहा था कि तालाब के पानी का रिसाव हो रहा है। महापौर को भी जानकारी दी गई थी। आज भी जब बहाव शुरू हुआ तो सभी जिम्मेदारों को फोन लगाया गया था, लेकिन तब मीटिंग में होने का जवाब देकर टाल दिया गया।

दो बच्चों ने गेट पर लटककर बचाई जान: तालाब के पानी के बहाव में एक महिला और एक व्यक्ति बह गया था। उसे पुलिस और नगर निगम के लोगों ने बचाया। दो बच्चे भी तेज बहाव मे फंस गए थे। वे गेट पर चढ़ कर खुद को बचा रहे थे। पुलिस ने उन्हें भी सुरक्षित निकाला।

पानी उतरा, घरों में कीचड़ और मलबा: तालाब का पानी अपने साथ कीचड़ और मलबा भी बहाकर लाया। लोगों के घरों में पानी उतर चुका है,लेकिन कीचड़ और मलबा भरा पड़ा है। लोगों का कहना है कि कुछ ही मिनटों में पानी भर गया। किसी को सोचने-समझने का मौका नहीं मिला।

पॉश कॉलोनी एमराल्ड ग्रीन भी प्रभावित: नारायण तालाब से लगभग 1 किमी की दूरी पर स्थित शहर की पॉश कॉलोनी एमराल्ड ग्रीन भी जल भराव हो गया। कॉलोनी में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के अलावा डुप्लेक्स भी बने हुए हैं। नारायण तालाब का पानी इस कॉलोनी के पूरे पार्किंग एरिया और भूतल पर बने कुछ डुप्लेक्स के अंदर भी घुस गया है। पार्किंग में खड़े लोगों के वाहन पानी मे डूब गए हैं।

महिला की मौत पर निष्पक्ष जांच के लिए सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रैगांव विधानसभा के ग्राम पंचायत उदय सागर के ग्राम रामपुरवा अस्पताल की लापरवाही से हुई महिला की मौत जितेंद्र कोल की पत्नी विद्या कोल की हुई मृत्यु जिसमे रैगांव विधानसभा पूर्व प्रत्याशी वरुण गुर्जर डिंकल , नागौद एड केपी पाल ओबीसी विभाग कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अभिलाष कुशवाहा, कांग्रेस ओबीसी विभाग के स्टेट कोऑर्डिनेटर विनोद कुशवाहा नयागांव गुड्डू कुशवाहा अकलेश कुशवाहा जिला अध्यक्ष ओबीसी महासभा ने ग्राम पहुंच कर स्व.विद्या कोल के निज निवास पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किए साथ विद्या कोल को न्याय दिलाने के लिए जिला चिकित्सा अधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपकर नया दिलाने की बात कही।

वायरल बुखार से बच्चों की मौत से हड़कंम, 1 बच्चे की मौत की पुष्टि

सीएम ट्वीट हैंडल के बाद मची खलबली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इन दिनों उमस और गर्मी के कारण उल्टी दस्त और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इतना ही यह मौसमी बुखार जानलेवा भी बन रहा है। मंगलवार को गांधी मेमोरियल चिकित्सालय में पिछले चौबीस घंटे के अंदर चार बच्चों की मौत हो गई है। इनमें जहां एक बच्चे की मौत की पुष्टि गांधी मेमोरियल के अधीक्षक व विभागाध्यक्ष कर रहे है जबकि तीन बच्चों के शव ले जाते परिजन इन दावों की हकीकत बया कर रहे हैं।

मंगलवार को सुबह बच्चों की मौत की खबर लगते ही हड़कंम मच गया है। इसके बाद कुछ देर में सीएम के ट्वीटर हैंडल में पोस्ट वायरल होने लगाया जिसमे जूनियर के भरोसे अस्पताल और चार बच्चों की मौत। इस टवीटर हैंडल के बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया कि पिछले चौबीस घंटे में एक बच्चे की मौत हुई है। जबकि दो बच्चे मृत अवस्था में लाए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन के अधीक्षक राहुल मिश्रा ने बताया कि जिस बच्चे की मौत हुई वह हृदय रोग से पीड़ित था। जिससे मौत हो गई। वहीं दो बच्चे मृत अवस्था में लाए गए थे। जिनमें आशा साकेत, निवासी अमरपाटन और दूसरा प्रियांश केवट पिता अशोक केवट निवासी रायपुर कर्चुलियान शामिल है। इस मामले में कलेक्टर ने भी सीएमएचओ से रिपोर्ट मांगी।

उमरिया से एपीएस विश्वविद्यालय पहुंचें छात्र-छात्राएं, समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

30 हजार बस का किराया देकर 150 किमी दूर से पहुंचे छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मंगलवार को उमरिया जिले के 75 छात्र-छात्राएं अपनी समस्या लेकर अवधेश प्रताप सिंह विश्विद्यालय पहुंचे। जिन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। छात्र-छात्राओं का कहना है कि परीक्षा में पास होने के बाद भी परीक्षा फॉर्म में प्रोमोटेड दिखा रहा है। जिस वजह से वे परीक्षा फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से लव कुमार पाण्डेय और श्रेया तिवारी ने बताया कि विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक के खिलाफ प्रदर्शन कर सभी छात्र-छात्राओं की समस्या का तत्काल निराकरण करने की मांग की गई है। 150 किलोमीटर दूर से छात्र-छात्राएं 30 हजार रूपए खर्च कर बस बुक कर रीवा आए थे। इससे उनकी समस्या का अंदाजा लगाया जा सकता है। सभी छात्र-छात्राएं स्वर्गीय छोटेलाल पटेल महाविद्यालय उमरिया में अध्यनरत हैं। जो कि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। इस तरह की त्रुटियों के लिए पूरी तरह से विश्वविद्यालय जिम्मेदार है। जिस वजह से हम छात्रों को परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है। ऐसी गलतियों की वजह से छात्रों का भविष्य अधर में लटक जाता है। परीक्षा नियंत्रक ने हमें बुधवार शाम तक सभी समस्याओं का निराकरण कराने की बात कही है। लेकिन अगर जल्द सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता तो विद्यार्थी परिषद छात्रों के लिए आंदोलन को बाध्य होगी। वहीं पूरे मामले में विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि छात्र-छात्राएं आज अपनी समस्या लेकर विश्वविद्यालय पहुंचे थे। जिनकी समस्याएं सुनी गई हैं। जल्द निराकरण किया जाएगा।

बताया गया कि यह पहली बार नहीं है जब विश्वविद्यालय से इस प्रकार की लापरवाही सामने आई हो। इसके पहले भी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं और छात्र संगठन रिजल्ट को लेकर कई बार विरोध जता चुके हैं। आंदोलन और प्रदर्शन भी कर चुके हैं। समय-समय पर विश्वविद्यालय प्रबंधन पर छात्र अतिरिक्त शुल्क मांगने के आरोप भी लगाते रहे हैं।

उमरिया सें छात्र समस्या लेकर आए थे। यह मामला संज्ञान में आया है। छात्रों की समस्या जल्द निराकृत कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र सिंह बघेल रजिस्ट्रार
एपीएस विश्वविद्यालय

हासिल किये 12 गोल्ड, 5 सिल्वर और 10 ब्राउस मेडल

9वीं मध्यप्रदेश स्टेट कूडो टूर्नामेंट मे रीवा का रहा दबदबा

22 जिलों के खिलाड़ियों में रीवा रहा फस्ट रनर अप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 30 अगस्त से 2 सितंबर तक इंदौर में आयोजित की गई 9वीं मध्यप्रदेश स्टेट कूडो टूर्नामेंट में 22 जिलों ने भाग लिया। जिसमें कुल 400 प्लेयर शामिल हुये। इसमें रीवा के 29 प्लेयर ने भाग लिया। जिसमें से रीवा के खिलाड़ियों ने 12 गोल्ड मेडल 5 सिल्वर मेडल और 10 ब्राउस मेडल हासिल किये।

गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों में अद्विक सिंह, प्रियांश तिवारी,आयन सिंह तिवारी, प्रभात पाल, अक्षत मिश्रा, शास्वत मिश्रा, श्रेष्ठ सौगुरा, मन्या गुप्ता, तान्या डुवेदी, नेहा तिवारी, विशाल बंशल, उमेश साकेत शामिल हैं। जबकि सिल्वर मेडलिस्ट खिलाड़ी आयुष त्रिपाठी, आद्या सिंह, मिश्का सिंह,अभीनाव सिंह, सुभद्रा बंसल हैं। वहीं ब्रॉनज मेडल जीतने वालों में विवान गुप्ता, श्याम तिवारी, स्वस्तिक शुक्ला, आरुष सोनी, अदम सिंह तिवारी, अंजली सिंह, निर्विघ्न मिश्रा,अनुष्का सिंह श्रेया गुप्ता जय कुमार साकेत शामिल हैं। युवान उपाध्य, और ओजस् गुप्ता ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया। कूडो रीवा जिले की सचिव नेहा तिवारी और कोषा अध्यक्ष उमेश साकेत, कोच प्रकाश त्रिपाठी ने यह जानकारी देते हुये रीवा टीम को सराहनी प्रदर्शन के लिये बधाई देते हुये उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

सेहरूआ में लगाया जागरूकता शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा निर्देशानुसार पीएम जनमन योजना में 10 सितम्बर 2024 तक मैहर जिले के ग्राम बैहार ग्राम पंचायत सेमरा विकासखण्ड मैहर एवं ग्राम सेहरूआ नम्बर-2 ग्राम पंचायत सिलपरी विकासखण्ड अमरपाटन में चिन्हित बैगा (पीवीटीजी) ग्रामों में विशेष शिविर लगाये जाकर प्रधानमंत्री जनमन कार्यकम (जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) अंतर्गत कियान्वयन की जा रही योजनाओं की जानकारी से पीवीटीजी समुदाय को जागरूक/अवगत कराने के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये हैं।

एमपी-यूपी बॉर्डर पर नेशनल हाईवे पर बना बस स्टैंड

सड़क पर खड़े हो रहे भारी वाहन, बेपरवाह हुए जिम्मेदार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे चाकघाट नगर परिषद में एंट्री के साथ ही सड़क के किनारे बसों सहित भारी वाहनों का जमघट लगता है जिसे देखने के लिए जिम्मेदार प्रशासन कोई कदम नहीं उठा रहा है और यातायात व्यवस्था को सुदृण बनाने का दावा करने वाली पुलिस की टीम भी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रही है। जिसके कारण बस संचालक भी मनमानी पर उतारू हो गए हैं तथा मुख्य सड़क नेशनल हाइवे 30 पर ही यात्रियों को बस में चढ़ाने और उतारने का काम करते हैं।

जिससे बड़े हादसे की गुंजाइश भी बन जाती है मगर बेपरवाह प्रशासनिक अमला इस ओर कोई ध्यान नही देता। बताया जा रहा है कि नगर परिषद में बस स्टैंड की भी व्यवस्था बनाई गई मगर बस स्टैंड के भीतर से बसों को सवारी नहीं मिल पाते जिसकी वजह से वह मुख्य सड़क के किनारे ही बसों को खड़ी कर देते हैं और वहीं से यात्री बस में चढ़ते और उतरते भी है। इसके साथ ही सड़क के किनारे यात्री बसों के खड़े होने की वजह से आए दिन मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति भी निर्मित रहती है मगर नगर परिषद के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने वाली पुलिस टीम भी हिला हवाली करती है।

जानकारी के मुताबिक चाकघाट में प्रवेश करने वाली यात्री बसें वहां पर स्थित बस अड्डे पर बस खड़ी करने की बजाय चाकघाट थाने के बाहर ही अपना नया बस अड्डा बनाया है पर पुलिस विभाग को बस हटवाने की फुरसत ही नहीं है। जबकि बस संचालकों का मनमानी रवैया ही है जिससे की सड़क पर बस खड़ी होती हैं परंतु संचालकों की मनमानी पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।